MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 29 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-146

सिद्धारमैया का इस्तीफा, डीके सीएम

ओबीसी चेहरे के तौर पर दिल्ली में बड़ी भूमिका की पेशकश

नयी दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां) । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दिल्ली जा रहे हैं। उनकी यह यात्रा सिर्फ एक आम दौरा नहीं है। कांग्रेस पार्टी उन्हें राज्यसभा जाने और दिल्ली में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए मनाना चाहती है। राहुल गांधी खुद उनसे मिलेंगे। सोनिया गांधी से भी मुलाकात होगी। पार्टी की नजर में सिद्धारमैया देश का सबसे बड़ा OBC चेहरा हैं और पार्टी चाहती है कि 2029 लोकसभा चुनाव से पहले वो इस भूमिका में आ जाएं।

सिद्धारमैया गुरुवार को दिल्ली जा रहे थे लेकिन मौसम खराब होने की वजह से उनका स्पेशल विमान दिल्ली की जगह जयपुर में उतरना पड़ा। उनके साथ एआईसीसी के जनरल सेक्रेटरी रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री के.जे. जॉर्ज और बयरती सुरेश, कानूनी सलाहकार पोन्नान्ना, विधान परिषद सदस्य डॉ. यतींद्र और एआईसीसी सेक्रेटरी अभिषेक दत्त भी विमान में मौजूद थे।

रात की जो मीटिंग प्लान थी वो फ्लाइट में देरी की वजह से टल गई। अब राहुल गांधी और सिद्धारमैया के बीच शुक्रवार सुबह 9 बजे आमने-सामने मीटिंग होगी।

यह मीटिंग बेहद अहम है क्योंकि बात सिर्फ एक मुलाकात की नहीं है। आजतक पहले ही खुलासा कर चुका है कि राहुल गांधी और सिद्धारमैया के बीच पहले हुई करीब 40 मिनट की बातचीत में राहुल गांधी ने उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सीट का ऑफर दिया था। साथ ही यह भी कहा गया था कि वो 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी को देखते हुए दिल्ली में एक बड़ी और अहम भूमिका निभाएं।

अब इस दिल्ली यात्रा में राहुल गांधी एक बार फिर सिद्धारमैया से यही गुजारिश दो-हराएंगे। पार्टी नेतृत्व उन्हें मनाने की पूरी कोशिश करेगी। सिद्धारमैया 10 जनपथ पर सोनिया गांधी से भी मिलेंगे। स्टेट इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला भी साथ रहेंगे।

पार्टी का यह मानना है कि सिद्धारमैया पूरे देश में कांग्रेस का सबसे बड़ा ओबीसी चेहरा हैं। पार्टी चाहती है कि वो दिल्ली आकर संगठन को मजबूत करें और OBC और पिछड़े वर्गों के बीच पार्टी का संदेश पहुंचाएं। यही वजह है कि यह यात्रा बेहद जरूरी मानी जा रही है। लेकिन असली चुनौती यह है कि सिद्धारमैया को मनाना आसान नहीं होगा। पार्टी नेतृत्व के सामने यही सबसे बड़ा काम है।

कर्नाटक में गुरुवार को बड़ा सियासी बदलाव हुआ। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन्होंने खुद नहीं लिया, बल्कि कांग्रेस की हाईकमान यानी पार्टी के बड़े नेताओं के कहने पर किया। इस्तीफे के साथ ही कर्नाटक में नए मुख्यमंत्री को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और सिद्धारमैया काफी समय से मुख्यमंत्री थे। पिछले कुछ समय से यह बात चल रही थी कि राज्य में नेतृत्व बदला जाएगा यानी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई और बैठेगा। गुरुवार को यह बदलाव हो गया।

सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल के दफ्तर में जमा कर दिया है। राज्यपाल उस वक्त बेंगलुरु में नहीं थे, इसलिए इस्तीफा उनके सचिव को दिया गया।

उन्होंने साफ कहा कि यह इस्तीफा पार्टी हाईकमान के कहने पर दिया गया है। उन्होंने पहले ही वादा किया था कि जब भी पार्टी कहेगी, वो पद छोड़ देंगे। दो दिन पहले हाईकमान ने उनसे इस्तीफा मांगा और उन्होंने वादा पूरा किया।

अब सवाल यह था कि सिद्धारमैया आगे क्या करेंगे। कुछ लोग कह रहे थे कि उन्हें राज्यसभा भेजा जाएगा यानी वो दिल्ली की राष्ट्रीय राजनीति में चले जाएंगे। लेकिन सिद्धारमैया ने इसे साफ मना कर दिया। ▶8 पर

शिवकुमार की संपत्ति 1400 करोड़ से ज्यादा

नयी दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां) । कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार होंगे। सिद्धारमैया सरकार की विदाई हो रही है और गुरुवार दोपहर वह लोकभवन पहुंचकर सीएम पद से इस्तीफा देंगे। खुद सिद्धारमैया ने अपने इस्तीफे से पहले अगले मुख्यमंत्री के रूप में डीके शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा है। बता दें कि राज्य के सीएम बनने जा रहे शिवकुमार की गिनती सबसे अमीर नेताओं में की जाती है और इसका अंदाजा उनकी नेटवर्थ देखकर आसानी से लगाया जा सकता है।

विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए हलफनामे में डीके शिवकुमार ने अपनी चल-अचल संपत्ति का खुलासा किया था। इसमें उन्होंने अपनी नेटवर्थ 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई थी। जहां उनके नाम पर शॉपिंग मॉल समेत अन्य महंगी कमर्शियल प्रॉपर्टीज हैं, तो वहीं शेयर बाजार में भी उन्होंने करोड़ों रुपये का निवेश किया है।

कर्नाटक के सीएम बनने जा रहे डीके शिवकुमार की कुल संपत्ति का आंकड़ा देखें, तो मायनेता डॉट कॉम पर अपलोड चुनावी एफिडेबिट में उन्होंने बताया था कि उनके व परिवार की कुल नेटवर्थ 1413 करोड़ रुपये से ज्यादा है, जबकि कर्ज की बात करें, तो ये भी 503 करोड़ रुपये बताया गया।

डीके शिवकुमार और उनके परिवार के तमाम बैंक खातों में 16 करोड़ रुपये से ज्यादा का डिपॉजिट का खुलासा किया गया था। तमाम एसेट्स को मिलाकर उन्होंने अपनी चल संपत्ति 244 करोड़ रुपये और परिवार समेत 273 करोड़ रुपये बताई थी। वहीं अचल संपत्ति 970 करोड़ रुपये, जबकि परिवार समेत ये 1140 करोड़ रुपये बताई थी।

सबसे अमीर नेताओं में शामिल डीके शिवकुमार के पास चल संपत्तियों की बात करें, तो उन्होंने शेयर बाजार में भी करोड़ों का निवेश किया है। यूनियन बैंक से लेकर बैंक ऑफ बड़ोदा तक, कौस्तुभा प्रोजेक्ट्स से लेकर वीक्रॉस डेवपलर्स तक के शेयरों में उन्होंने पत्नी समेत 4.20 करोड़ रुपये लगाए हैं। इसके अलावा उनके पास करीब 9 करोड़ रुपये की एफडी हैं।

सोना-चांदी और डायमंड समेत अन्य कीमती सामानों में उनके पास रोलेक्स और हबलोत जैसी घड़ियां हैं, जिनकी कीमत लाखों में है।

▶8 पर

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

हुक्का बार चलाना मौलिक अधिकार नहीं

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां) इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हुक्का बार को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि हुक्का बार चलाना मौलिक अधिकार नहीं है। अदालत ने जनहित और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए इस पर प्रतिबंध लगाने के राज्य सरकार के अधिकार को पूरी तरह सही ठहराया है। जस्टिस आलोक माथुर और जस्टिस अमिताभ कुमार राय की बेंच ने बुधवार को सुनवाई के दौरान ये फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने हुक्का बार मालिकों की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि हुक्का बार चलाना व्यापार और व्यवसाय करने के मौलिक अधिकार के तहत आता है।

दरअसल, अलग-अलग हुक्का बार ऑपरेटरों ने प्रशासन द्वारा उनके प्रतिष्ठानों के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई के विरोध में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इन याचिकाओं में संचालकों ने प्रशासन द्वारा उनके हुक्का बारों को बंद कराए जाने और उन्हें नया व्यापारिक लाइसेंस देने से इनकार करने के कदमों को अवैध बताते हुए चुनौती दी थी।

पीठ ने अपने फैसले में पुराने आदेशों का हवाला भी दिया। कोर्ट ने इस बात को विशेष रूप से नोट किया कि जब देश में कोविड-19 महामारी का प्रकोप फैला हुआ था, तब भी संक्रमण के तेजी से फैलने के बड़े खतरे को देखते हुए हाई कोर्ट ने पूरे राज्य में हुक्का बारों के संचालन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था।

एजेंसी के मुताबिक, हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हुक्का बार में तंबाकू और निकोटीन का सेवन होता है जो लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। इसलिए सरकार को ऐसे कारोबार पर नियम लगाने या रोक लगाने का पूरा अधिकार है। साथ ही अदालत ने ये भी बताया कि शराब और जुए की तरह हुक्का बार को सुरक्षित ट्रेड और बिजनेस अधिकारों के दायरे से बाहर रखा जा सकता है। बेंच ने साफ कहा, ङ्कराज्य सरकार के पास लोगों की सेहत की सुरक्षा के लिए ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने का पूरा अधिकार है।

तेलंगाना नागरिकों के लिए 'यूनिफाइड कार्ड'

कार्ड में लाभार्थियों द्वारा प्राप्त की जा रही कल्याणकारी योजनाओं का विवरण

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को अधिकारियों को तेलंगाना के प्रत्येक नागरिक के लिए एक 'यूनिफाइड कार्ड' (एकीकृत कार्ड) विकसित करने का निर्देश दिया, जिसमें लाभार्थियों द्वारा प्राप्त की जा रही सभी कल्याणकारी योजनाओं का विवरण होगा। उन्होंने कल्याणकारी प्रणाली के साथ एकीकरण के लिए आधार जैसी ही राज्य स्तरीय विशिष्ट पहचान संख्या जारी करने की संभावना तलाशने का भी सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्ड में प्रत्येक नागरिक को मिलने वाले लाभों का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए, जिसमें सहायता प्रदान करने वाले विभाग, योजना का नाम और प्राप्त सहायता की सीमा शामिल हो।

उन्होंने अधिकारियों को राज्य के सभी नागरिकों के व्यक्तिगत और परिवार-उन्मुख डेटा एकत्र करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू करने का निर्देश दिया। डेटा संग्रह अभियान 360-डिग्री लाभार्थी डेटा की गतिशील ट्रैकिंग के लिए पहली बार एआई-आधारित प्रोफाइलिंग प्रणाली के निर्माण के अग्रदूत के रूप में कार्य करेगा।

आईटी मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बी. अजीत रेड्डी, आईटी विभाग के संयुक्त सचिव अनुदीप दुरीशेट्टी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एकीकृत कार्ड के कार्यान्वयन के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से डेटा का विश्लेषण करने से कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता आएगी और यह सुनिश्चित होगा कि लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक अधिक सटीकता से पहुंचे, साथ ही अपात्र व्यक्तियों की पहचान करने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत विभागों द्वारा अलग-अलग कार्ड जारी करने की वर्तमान प्रथा को बदलकर आईटी विभाग की देखरेख में एक एकल एकीकृत कार्ड लाने का सुझाव दिया। उन्होंने अधिकारियों को इस प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक लागू करने के लिए युवा और तकनीकी रूप से कुशल सरकारी अधिकारियों की सेवाएं लेने का भी निर्देश दिया।

प्रस्तावित कार्ड में आरोग्यश्री, मुख्यमंत्री राहत कोष सहायता, शुल्क प्रतिपूर्ति (फीस रीइम्बर्समेंट), श्रम विभाग की योजनाएं, शिक्षा विभाग के लाभ, बीमा योजनाएं और सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य कल्याणकारी पहलों से संबंधित विवरण शामिल होंगे।

उन्होंने अधिकारियों को हाल ही में आयोजित व्यापक सामाजिक-आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण के दौरान एकत्र किए गए डेटा को एकीकृत कार्ड डेटाबेस से जोड़ने का निर्देश दिया। लाभार्थी की जानकारी के अलावा, मुख्यमंत्री ने आईटी विभाग को विभिन्न विभागों में काम कर रहे अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के संबंध में डेटा एकत्र करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य में कहीं भी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने पर, इसकी जानकारी स्वचालित रूप से मचेयुताफ पेंशन डेटाबेस तक पहुंचनी चाहिए ताकि तत्काल कार्रवाई शुरू की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों के स्वास्थ्य प्रोफाइल को एकीकृत कल्याण कार्ड प्रणाली से जोड़ने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से खाड़ी देशों में प्रवास करने वाले श्रमिकों के लिए केरल में अपनाई जा रही प्रणालियों का अध्ययन करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि कौशल विकास, प्रशिक्षण कार्यक्रम, पासपोर्ट सेवाओं और वीजा जारी करने से संबंधित जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि अनधिकृत एजेंटों की भूमिका को कम किया जा सके।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि एकीकृत कार्ड का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कल्याणकारी लाभ गरीबों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे और सरकार राज्य में लागू की जा रही प्रत्येक कल्याणकारी योजना के प्रभाव का सटीक आकलन करने में सक्षम हो सके।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 28^0

टीएमसी में भागमभाग

127 पार्षदों का इस्तीफा, 181 एफआईआर, शुभेंदु राज में बंगाल में हलचल

नयी दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां) । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद बंगाल में राजनीतिक माहौल बदल गया है। और ये माहौल ऐसा बदला है कि घर से मंदिर तक, मैदान से पार्टी दफ्तरों तक हलचल मची हुई है। शुभेंदु राज में बंगाल में पुलिस से लेकर हुकूमत तक और नेता से लेकर सियासत तक सब एक्शन में नजर आ रहे हैं। इससे टीएमसी की टेंशन बढ़ती दिख रही है।

कारण ये है कि एक तरफ पूरे बंगाल में टीएमसी नेताओं के खिलाफ कानून का डंडा चलना शुरू हो गया है, दूसरी तरफ टीएमसी के नेता पार्टी छोड़-छोड़कर जा रहे हैं। और जो अब तक नहीं गए हैं, उनके बीच अंदरूनी घमासान शुरू हो गया है। टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार पहले ही पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे चुकी थीं। उन्हें सीआईएसएफ की ध कैटेगरी सुरक्षा भी मिल चुकी है। अब काकोली घोष ने लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि टीएमसी के ही लोकसभा चीफ व्हीप कल्याण बनर्जी के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी जाए।

काकोली का आरोप है कि कल्याण बनर्जी ने संसद में कई बार उनके साथ दुर्व्यवहार किया। हालांकि ऐसे आरोप पहले टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी लगा चुकी हैं। लेकिन कल्याण बनर्जी का कहना है कि अगर काकोली घोष को शिकायत थी तो उन्होंने तीन महीने पहले संसद में इसकी शिकायत क्यों नहीं की।

कल्याण बनर्जी का दावा है कि नारदा स्टिंग मामले में काकोली घोष के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है, इसलिए दूसरी मंशा से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं।

लेकिन मामला सिर्फ काकोली घोष तक सीमित नहीं है। थोड़ी देर पहले टीएमसी प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और कहा कि टीएमसी में भ्रष्टाचार है। उधर बीजेपी सांसद सौमित्र खान का दावा है कि अगर दिल्ली से इजाजत मिल जाए तो टीएमसी के 20 सांसद बीजेपी में शामिल हो जाएंगे और पार्टी खत्म हो जाएगी।

इधर 15 नगरपालिका, नगर निगम और ग्राम पंचायतों से करीब 127 टीएमसी नेताओं और पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी नेताओं पर 181 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हो चुके हैं और दर्जनों गिरफ्तारियां भी हुई हैं। ऐसे में सवाल ये है कि क्या बंगाल में अब टीएमसी अपने वजूद की ▶8 पर

अलविदा बशीर बद्र...

नयी दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां) । मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र का गुरुवार दोपहर भोपाल में निधन हो गया। उन्होंने 91 साल की उम्र में अपने घर पर अंतिम सांस ली। डॉ. बशीर बद्र लंबे समय से डिमेंशिया बीमारी से जूझ रहे थे। उनकी याददाश्त काफी कमजोर हो चुकी थी और वे लोगों को पहचान भी नहीं पा रहे थे।

पिछले कुछ समय से उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी। आज गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे उनका निधन हो गया। डॉ. बशीर बद्र उर्दू शायरी की दुनिया का बड़ा नाम थे। उनकी गजलें और शेर आम लोगों से लेकर साहित्य प्रेमियों तक के बीच बेहद लोकप्रिय रहे। उनकी लिखी कई पंक्तियां लोगों की जुबान पर आज भी जिंदा हैं। मशहूर शायर बशीर बद्र अपनी यादों का उजाला छोड़कर इस जहान-ए-फानी को अलविदा कह गए। मुहब्बत का शायर जिसने जिंदगी भर तितली, शहद, इंद्र धनुष, बादल, बिजली और रोशनी के अशआर पढ़े और उन्हें गजलों में पिरोया गोया कंदीलों वाली पतंगें नफ़रतों के आसमान पर राज कर रही हों। बशीर साहब की जिंदगी शुरू से इत्तेफाकों से भरी रही। ▶8 पर

अमेरिका-ईरान शांतिवार्ता में पाकिस्तान की दोहरी नीति बेनकाब

ट्रंप प्रशासन ने कूटनीतिक मोर्चे पर घेर लिया

वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच पाकिस्तान एक बार फिर अपनी कूटनीतिक दोहरी नीति के कारण वैश्विक मंच पर अलग-थलग पड़ता दिख रहा है। खुद को वैश्विक शांति का दूत दिखाने और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका भुनाने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान अब खुद गंभीर कूटनीतिक सवालों के घेरे में आ गया है। अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने खुले तौर पर पाकिस्तान की भूमिका को संदिग्ध और बेहद समस्याग्रस्त करार दिया है। इस बयान के बाद इस्लामाबाद के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में हड़कंप मच गया है। दरअसल, शुरुआत में पाकिस्तान ने अमेरिकी प्रशासन को लुभाने की भरपूर कोशिश की थी। ईरान संकट के दौरान इस्लामाबाद ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मेजबानी की थी और मध्यस्थता का पूरा श्रेय लेने के लिए अमेरिकी नेतृत्व की जमकर तारीफें की थीं। लेकिन जैसे-जैसे शांति वार्ता आगे बढ़ी, पाकिस्तान का दोहरा चरित्र सामने आने लगा। एक तरफ जहां पाकिस्तान दुनिया के सामने पीस ब्रोकर की छवि पेश कर रहा था, वहीं दूसरी तरफ खुफिया रिपोर्ट्स आईं कि उसने ईरान के सैन्य विमानों को अपने नूर खान एयरबेस पर गुपचुप तरीके से पनाह दे रखी है। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने साफ कहा कि पाकिस्तान मध्यस्थ से ज्यादा एक समस्या है, और यदि ईरानी विमान पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर सुरक्षित हैं, तो वह निष्पक्ष मध्यस्थ कैसे हो सकता है अमेरिकी प्रशासन को अब यह साफ समझ आ रहा है कि पाकिस्तान मध्यस्थता का राजनीतिक फायदा तो उठाना चाहता है, लेकिन वह ईरान के साथ अपने पुराने सैन्य और रणनीतिक संबंध भी नहीं छोड़ना चाहता। इस कूटनीतिक रस्साकशी के बीच अमेरिका द्वारा प्रस्तावित अब्राहम अकार्ड्स ने पाकिस्तान की पोल पूरी तरह खोल दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र और जार्डन जैसे देशों से इस ऐतिहासिक समझौते में शामिल होने और इसे ईरान डील का हिस्सा बनाने की अपील की थी। इस पर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्पष्ट रूप से अमेरिकी प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि वे किसी ऐसे समझौते का समर्थन नहीं कर सकते जो उनकी मूल विचारधारा से टकराता हो। उन्होंने इजरायल को मान्यता देने के लिए 1967 की सीमाओं के आधार पर स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य और पूर्वी यरुशलम को उसकी राजधानी बनाने की पुरानी शर्त दोहराई। आर्थिक तंगहाली और कंगाली से जूझ रहा पाकिस्तान एक तरफ अमेरिका से वित्तीय मदद और आईएमएफ बेलआउट पैकेज चाहता है, तो दूसरी तरफ वह अमेरिका की किसी भी रणनीतिक मांग को मानने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान ने गाजा स्टेबलाइजेशन फोर्स में शामिल होने, ईरान का गुप्त समर्थन बंद करने और अब्राहम अकार्ड्स का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर तीन बड़े मुद्दों पर अमेरिका की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर कोरिया के पास हथियारों के लिए कहां से आ रहा पैसा और वैज्ञानिक

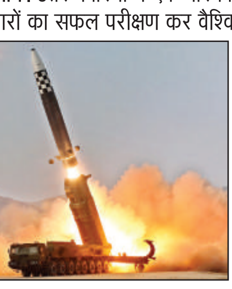

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अत्याधुनिक हथियारों का सफल परीक्षण कर वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। आधिकारिक जानकारियों के अनुसार, सर्वोच्च नेता किम जोंग उन की देखरेख में परमाणु क्षमता से लैस क्रूज मिसाइल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित मिसाइल और नई वारहेड वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया गया। इसमें नेविगेशन प्रणाली से लैस 240 मिलीमीटर राकेट आर्टिलरी भी शामिल थी। किम जोंग उन ने इन मिसाइलों के प्रदर्शन पर पूर्ण संतोष व्यक्त करते हुए इन्हें दक्षिण कोरियाई सीमा के पास अग्रिम मोर्चों पर तैनात करने के निर्देश दिए हैं, ताकि देश की सैन्य शक्ति को अभेद्य बनाया जा सके। दूसरी तरफ, दक्षिण कोरियाई सेना ने भी पुष्टि की है कि उत्तर कोरिया द्वारा दागी गई कम दूरी की मिसाइलों ने करीब 80 किलोमीटर की दूरी तय की है। वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीतिक वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को अत्यंत तीव्र गति दी है। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठता है कि कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहे एक छोटे देश के पास इतने उन्नत हथियार बनाने की तकनीक और पैसा कहां से आ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर कोरिया के पास परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के लिए समर्पित हजारों कुशल वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की एक बड़ी टीम है।

वैज्ञानिकों ने लैब में पैदा किए जिंदा चूजे, दावे ने दुनिया को चौंकाया

न्यूयार्क। बायोटेक कंपनी कोलोसल बायोसाइंसेस के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में कृत्रिम माहौल तैयार कर जिंदा चूजों को जन्म देने में सफलता हासिल करने का दावा किया है। वैज्ञानिकों के इस दावे ने सभी को चौका दिया है। वैज्ञानिकों ने इस काम के लिए थ्री-डी प्रिंटेड तकनीक से तैयार किए गए एक खास ढांचे का इस्तेमाल किया, जो बिल्कुल असली अंडे के छिलके की तरह काम करता है। कंपनी का कहना है कि इस अनोखी तकनीक के जरिए अब तक 26 चूजों का जन्म हो चुका है। इनमें कुछ चूजे कुछ दिन के हैं, जबकि कुछ कई महीने तक जीवित रह चुके हैं। कंपनी के अनुसार इस प्रयोग में निषेचित मुर्गी के अंडों को एक विशेष कृत्रिम प्रणाली में रखा गया। इसके बाद पूरे सिस्टम को नियंत्रित तापमान वाले इनक्यूबेटर में सुरक्षित रखा गया। वैज्ञानिकों ने कृत्रिम छिलके के भीतर एक खास झिल्ली लगाई, जो असली अंडे की तरह भ्रूण तक आक्सीजन पहुंचाने का काम करती है। इसके अलावा चूजों के विकास के लिए अलग से कैल्शियम भी उपलब्ध कराया गया। इस तकनीक की मदद से वैज्ञानिक भ्रूण के विकास को वास्तविक समय में देख और समझ पा रहे थे।

ईरान जंग की तैयारी में जुटाः अमेरिका पर अविश्वास और होर्मुज स्ट्रेट पर दांव

तेहरान। ईरान फिर अमेरिका के साथ संभावित युद्ध की तैयारी में जुटा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान को वाशिंगटन पर जरा भी भरोसा नहीं है और वह होर्मुज स्ट्रेट को अपना सबसे बड़ा रणनीतिक हथियार मान रहा है। रिपोर्ट बताती है कि ईरानी अधिकारी तीन प्रमुख मोर्चों पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, सैन्य तैयारी को मजबूत करना, घरेलू समर्थन जुटाना और कूटनीतिक प्रयास जारी रखना। हालांकि बातचीत के रास्ते खुले रखे गए हैं, लेकिन ईरानी सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कार्प्स (आईआरजीसी) हाई अलर्ट पर हैं। ईरान का मानना है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी सामरिक शक्ति है। दुनिया के एक बड़े हिस्से का तेल इस समुद्री मार्ग से गुजरता है, और इसकारण तेहरान अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के एक शक्तिशाली हथियार के रूप में देखता है। ईरानी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में अमेरिका के सैन्य ठिकाने, ऊर्जा संबंधी बुनियादी ढांचा और उससे जुड़े हित निशाने पर हो सकते हैं। कुछ दिनों पहले आईआरजीसी ने भी चेतावनी दी थी कि किसी भी नए अमेरिकी हमले का जवाब पहले से कहीं अधिक हिंसक होगा और इसका असर मध्य-पूर्व से बाहर तक महसूस किया जाएगा। इन बढ़ते तनाव और हमलों के बावजूद, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का सिलसिला जारी है। दोनों देश मध्यस्थों के माध्यम से किसी समझौते तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि फिलहाल किसी बड़े समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं।

नेपाल का जेन जी विद्रोह : हिंसा और आगजनी का पूर्व नियोजित षड्यंत्र

काठमांडू

तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने और सुशासन की मांग को लेकर 8 और 9 सितंबर 2025 को हुए जेनजी आंदोलन को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की विस्तृत जांच रिपोर्ट के अनुसार यह प्रदर्शन स्वत:स्फूर्त और शांतिपूर्ण नहीं था, बल्कि इसे हिंसक और विध्वंसात्मक बनाने की गंभीर पूर्व-योजना भी बनाई गई थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां एक समूह आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखना चाहता था, वहीं दूसरे समूह ने योजनाबद्ध तरीके से इसे हाइजैक कर संसद भवन तक में आगजनी करने की तैयारी की थी। सोशल मीडिया प्रतिबंध हटाने की मांग को लेकर माइतीघर में जुटे युवाओं की भीड़ में गलत मंशा रखने वाले तत्व योजनाबद्ध तरीके से घुसपैठ कर हिंसा भड़काने में सक्रिय थे।

आयोग के अनुसार, आंदोलन को हिंसक बनाने की तैयारी प्रदर्शन से पहले ही डिजिटल माध्यमों के जरिए शुरू हो चुकी थी। कुछ व्यक्तियों ने आंदोलन को परिणाममुखी बनाने के नाम पर विभिन्न विद्यालयों के डिजिटल बोर्ड और वेबसाइट हैक कर नारे प्रदर्शित किए थे। आयोग ने कहा है कि संसद भवन और सिंहदरबार जैसी सरकारी संरचनाओं को जलते हुए दिखाने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार तस्वीरों और वीडियो को पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था, जिससे विध्वंस की पूर्व-तैयारी की पुष्टि होती है। रिपोर्ट में छात्रों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करने की साजिश का भी उल्लेख किया गया है। नेपाल पुलिस के नाम से एक फर्जी फेसबुक पेज बनाकर यह भ्रम फैलाया गया कि छात्र वर्दी में आने वालों पर पुलिस बल प्रयोग नहीं कर सकेगी। इसी बहाने सभी से स्कूल यूनिफार्म पहनकर प्रदर्शन में आने की अपील की गई थी। घटना के बाद उन सोशल मीडिया अकाउंट्स को निष्क्रिय कर दिए जाने को आयोग ने सुनियोजित चाल का प्रमाण माना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इतनी पूर्वसूचनाओं और सुरागों के बावजूद सरकार और सुरक्षा एजेंसियां ऐसे खातों को बंद करने या अफवाहों का खंडन करने में विफल रहीं, जो उनकी गंभीर कमजोरी को दर्शाता है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि फर्जी फेसबुक पेज के माध्यम से प्रदर्शनकारियों को भ्रमित कर छात्रों को आंदोलन में शामिल कर मानव ढाल बनाने का प्रयास किया गया। सुरक्षा कर्मियों के बयान के आधार पर आयोग ने इस तथ्य को स्थापित माना है। रिपोर्ट के अनुसार हामी नेपाल संस्था के सुदन गुरूंग, अंकित मल्ल और खेमराज साउद सहित अन्य लोगों ने जिला प्रशासन कार्यालय से 500 से 800 लोगों की उपस्थिति का अनुमान देकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति ली थी। लेकिन प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही माइतीघर मंडला में प्राथमिक उपचार के लिए टेंट, स्वास्थ्य स्वयंसेवक और तीन एम्बुलेंस की व्यवस्था कर दी गई थी, जिसे आयोग ने संदिग्ध माना है। 8 सितंबर की सुबह लगभग 9 बजे प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे जेनजी आंदोलन के अगुवा माने जाने वाले रक्षा बम और जस्मिन ओझा के समूह ने इस तैयारी पर आपत्ति जताई थी और सुदन गुरूंग से सवाल भी किया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए इतनी बड़ी मेडिकल तैयारी क्यों की गई। हालांकि गुरूंग इसका स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। सुबह साढ़े 10 बजे माइतीघर से शुरू हुआ प्रदर्शन प्रशासन द्वारा तय दायरे से बाहर निकलकर बबरमहल होते हुए नया बानेश्वर स्थित एवरेस्ट होटल के सामने पहुंचा, जिसके बाद स्थिति उग्र हो गई। करीब 25 हजार लोगों की भीड़ में अचानक काले टी-शर्ट पहने और शरीर पर टीओबी टैटू बनवाए 15 से 20 बाइकर्स का समूह प्रवेश कर गया। आयोग के अनुसार इसी समूह ने भीड़ को भड़काने और उत्तेजित करने का काम किया। करीब 12 बजे सुदन गुरूंग के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी सुरक्षा बैरिकेड तोड़कर निषेधित क्षेत्र में घुसने लगे, जिसके बाद सुरक्षा बलों के साथ झड़प शुरू हुई और स्थिति हिंसक दंगे में बदल गई। आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ के बाद ही पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। इसके बाद उग्र भीड़ ने संसद भवन के गेट नंबर 1 के सामने पथराव किया और सशस्त्र पुलिस के वाटर कैनन में तोड़फोड़ की। भीड़ इतनी हिंसक हो गई कि एम्बुलेंस, मानवाधिकार आयोग की निगरानी टीम की गाड़ी तक में तोड़फोड़ और आगजनी की गई तथा कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। आयोग ने निष्कर्ष निकाला है कि युवाओं के शांतिपूर्ण विरोध को टीओबी समूह ने कब्जे में लेकर संसद भवन पर हमला और आगजनी करने तक का प्रयास किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी स्थिति बनने के दौरान आयोजकों ने घुसपैठ रोकने का कोई प्रयास नहीं किया, इसलिए जनधन की क्षति की मुख्य जिम्मेदारी भी आयोजकों की ही बनती है। साथ ही आयोग ने यह भी कहा है कि टीओबी लिखे टी-शर्ट और टैटू वाले बाइकर्स कौन थे, उनका आयोजकों से क्या संबंध था और वे किसके इशारे पर काम कर रहे थे, इसकी आगे गहन जांच की जानी आवश्यक है।

ईद पर कटने ही वाला था ट्रंप ऊपर वाले ने बचा लिया

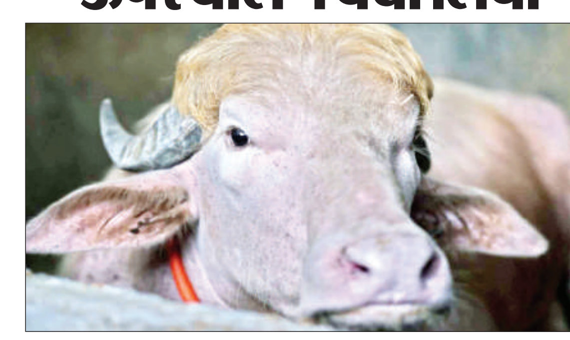

अब जू में मौज काटेगा दुर्लभ भैंसा

ढाका

पड़ोसी देश बांग्लादेश में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के पावन मौके से ठीक पहले एक बेहद अनोखे और दुर्लभ भैंसे ने दुनिया भर की सुर्खियां बटोरी। अपने खास रंग-रूप और शारीरिक बनावट के कारण सोशल मीडिया पर रातों-रात सनसनी बने इस भैंसे की लोकप्रियता को देखते हुए सरकार को खुद आगे आना पड़ा। प्रशासन ने समय रहते बड़ा कदम उठाते हुए इस दुर्लभ जानवर को कुर्बानी से बचा लिया है। अब इसे हमेशा के लिए देश के राष्ट्रीय चिड़ियाघर में सुरक्षित रख दिया गया है।

बता दें कि भैंसे के बाल और रंग देखते हुए लोगों ने उसका नाम डोनाल्ड ट्रंप रख दिया था। करीब 700 किलोग्राम वजन वाले इस दुर्लभ एल्बिनो प्रजाति के भैंसे की सबसे बड़ी खासियत इसके सिर पर मौजूद हल्के सुनहरे, घने और लहराते हुए बाल हैं। सफेद रंग के इस भैंसे के बालों की लटें दिखने में काफी अलग और असाधारण हैं, जिसकी वजह से लोग इसकी तुलना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मशहूर हेयरस्टाइल से करने लगे। इसके अनोखेपन को देखते हुए इसके पूर्व मालिक के भाई ने इसका नामकरण डोनाल्ड ट्रंप कर दिया था। देखते ही देखते इस भैंसे की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गए। इसके बाद बड़ी संख्या में बच्चे, आम लोग और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इस अनोखे जानवर के साथ तस्वीरें और सेल्फी खिंचवाने के लिए जुटने लगे।

सरकार ने ऐसे बचाई जान – भैंसे के पूर्व मालिक जिया उद्दीन मृधा ने त्योहार से पहले इसे किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया था और इसे ईद पर कुर्बानी के लिए पूरी तरह तैयार कर लिया गया था। हालांकि, इंटरनेट पर इसकी बढ़ती लोकप्रियता और दुर्लभ प्रजाति को देखते हुए पशुपालन विभाग ने सक्रियता दिखाई। विभाग ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से संपर्क कर इस दुर्लभ जीव को संरक्षित करने की आधिकारिक अपील की। अधिकारियों का तर्क था कि यह भैंसा अभी काफी युवा और स्वस्थ है, जिसका जीवन आने वाले कई सालों तक बचाया जा सकता है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इसे अपने कब्जे में ले लिया।

चिड़ियाघर में विशेष शेड और क्वारंटीन – ढाका नेशनल जू प्रशासन के मुताबिक, इस खास मेहमान के लिए चिड़ियाघर में एक अलग और विशेष शेड तैयार किया गया है। साथ ही उसकी चौबीसों घंटे देखरेख के लिए एक समर्पित कर्मचारी को भी नियुक्त किया गया है।

ईरान की तफ्तान ज्वालामुखी की चोटी करीब 9 सेमी ऊपर उठी

तेहरान। तनावग्रस्त देश ईरान के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित तफ्तान ज्वालामुखी पिछले दस महीनों के दौरान ज्वालामुखी की चोटी करीब नौ सेंटीमीटर तक ऊपर उठ गई है। भू-वैज्ञानिकों के अनुसार यह धरती के भीतर बढ़ते दबाव और संभावित ज्वालामुखीय गतिविधि का गंभीर संकेत हो सकता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के सेंटिनल-1 सैटेलाइट्स ने अत्याधुनिक इन्सार तकनीक के जरिए इस क्षेत्र की जमीनी हलचल को रिकार्ड किया है। यह तकनीक बादलों और अंधेरे के बीच भी धरती की सतह में होने वाले सूक्ष्म बदलावों का पता लगाने में सक्षम है। वैज्ञानिकों ने पाया कि तफ्तान ज्वालामुखी की चोटी के नीचे लगातार दबाव बन रहा है और अब तक इसके कम होने के संकेत नहीं मिले हैं। स्पेनिश नेशनल रिसर्च काउंसिल के वरिष्ठ वैज्ञानिक पाब्लो जे. गोंजालेज के नेतृत्व में की गई इस रिसर्च के अनुसार दबाव का मुख्य स्रोत जमीन की सतह से मात्र 490 से 630 मीटर की गहराई पर स्थित है।

लश्कर के आतंकी ने दी धमकी कहा-इजरायल को स्वीकार करने वाले तबाह हो जाएंगे

इस्लामाबाद

प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ और मोस्ट वांटेड आतंकी सैफुल्लाह कसूरी उर्फ खालिद ने एक बेहद भड़काऊ वीडियो संदेश जारी किया है। इंटरनेट पर वायरल हो रहे इस वीडियो में कसूरी ने सीधे तौर पर उन मुस्लिम देशों और शासकों को बर्बाद होने की धमकी दी है, जो इजरायल के अस्तित्व को स्वीकार करने या उसके साथ राजनयिक संबंध सामान्य करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, कसूरी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अब्राहम अकार्ड्स में शामिल होने के प्रस्ताव को आधिकारिक रूप से ठुकरा दिया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकी संगठन का यह रुख पाकिस्तान की आधिकारिक विदेश नीति और चरमपंथी ताकतों की विचारधारा के खतरनाक मेल को दर्शाता है। हाल ही में अमेरिकी प्रशासन की ओर से पाकिस्तान पर इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य करने और अब्राहम अकार्ड्स का हिस्सा बनने के लिए लगातार दबाव बनाया जा

रहा था। हालांकि, पाकिस्तान ने अपने पारंपरिक और कड़े रुख को दोहराते हुए इस प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि जब तक एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना नहीं हो जाती, तब तक वह इजरायल को किसी भी कीमत पर मान्यता नहीं देगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी उन सभी सुझावों और कयासों को सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया था, जिनमें मुस्लिम-बहुल देशों को इस शांति समझौते का हिस्सा बनने की वकालत की जा रही थी। वहीं दूसरी तरफ शीर्ष भारतीय खुफिया अधिकारियों ने कसूरी के इन दावों को पूरी तरह से भ्रामक, मनगढ़ंत और जिहादी प्रचार का एक हथकंडा बताया है। सुरक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सितंबर 2025 में हुआ पाक-सऊदी समझौता पूरी तरह से दोनों देशों की आंतरिक और पारस्परिक सुरक्षा, खुफिया जानकारी साझा करने तथा आतंकवाद विरोधी अभियानों में सहयोग के लिए था।

अमेरिका में भारतीय जोड़े से बदसलूकी कहा- दफा हो जाओं यहां से

वाशिंगटन

अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के खिलाफ नस्लीय भेदभाव और बदतमीजी का एक और बेहद निंदनीय मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में एक अमेरिकी शख्स बिना किसी उकसावे के एक भारतीय जोड़े के साथ बदसलूकी और गाली-गलौज करता हुआ नजर आ रहा है। हैरान करने वाली बात यह है कि भारतीयों के प्रति नफरत से भरे इस वीडियो को खुद उसी हमलावर शख्स ने इंटरनेट पर साझा किया और वीडियो के साथ भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को लेकर आपत्तिजनक इमोजी भी पोस्ट किए। इस घटना के सामने आने के बाद से ही इंटरनेट पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है और अमेरिकी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भारतीय जोड़े ने बनाए रखा धैर्य और संयम – करीब 30 सेकंड के इस वीडियो की शुरुआत में एक भारतीय मूल का जोड़ा अपने काम में व्यस्त दिखाई देता है। तभी कार के भीतर बैठा एक अमेरिकी शख्स, जिसका चेहरा कैमरे में नजर नहीं आ रहा है, उनसे पूछताछ शुरू कर देता है। वह सामान्य लहजे में पूछता है कि क्या वे भारत से हैं और क्या भारत अमेरिका से बेहतर देश है इस पर भारतीय शख्स बेहद शालीनता और सम्मान के साथ जवाब देता है कि दोनों ही देशों की अपनी-अपनी अलग खूबियां और विशेषताएं हैं। इसके बाद जब अमेरिकी शख्स पूछता है कि अगर भारत इतना अच्छा है तो वे अमेरिका में क्या कर रहे हैं, तब भी भारतीय पति बेहद शांत तरीके से जवाब देता है कि वे दुनिया को देखने और एक्सप्लोर करने के लिए यहां आए हैं। इतना सुनते ही अमेरिकी शख्स अपना आपा खो बैठता है और चिल्लाते हुए कहता है कि अमेरिकी लोग उन्हें वहां नहीं देखना चाहते और उन्हें तुरंत अपने वतन वापस लौट जाना चाहिए। इसके बाद वह नस्लीय टिप्पणियां करते हुए देश छोड़कर जाने की धमकी देने लगता है।

इंटरनेट पर फूटा गुस्सा – वीडियो के सार्वजनिक होते ही दुनिया भर के नेटिजन्स का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर लोग इस अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा कर रहे हैं। जहां एक तरफ भारी संख्या में यूजर्स ने विपरीत परिस्थितियों में भी भारतीय जोड़े द्वारा दिखाए गए धैर्य, शालीनता और उच्च संस्कारों की जमकर तारीफ की है, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोगों का यह भी मानना है कि ऐसी घटनाओं पर खामोश रहने से नस्लवादियों के हौसले और ज्यादा बुलंद होते हैं। कई अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय यूजर्स ने हमलावर शख्स को आइना दिखाते हुए कमेंट किया कि अमेरिका मूल रूप से नेटिव अमेरिकियों का देश है, इसलिए दूसरों को बाहर जाने की धमकी देने वाले खुद इस जमीन पर बाहरी हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से जवाब तलब – इस घटना के बाद इंटरनेट यूजर्स ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को सोशल मीडिया पर जमकर टैग करना शुरू कर दिया है। दरअसल, अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान जब पत्रकारों ने रुबियो से अमेरिका में रह रहे भारतीयों के साथ होने वाले नस्लीय हमलों और घृणा अपराधों (हेट क्राइम) को लेकर सवाल पूछा था, तब उन्होंने इन घटनाओं की जानकारी होने से साफ इनकार कर दिया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी–छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फ़ायदा नहीं पहुँचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को ख़ुद को क़ाबू न करने दें। त्वचा से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम का बोझ आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद–विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है

आज का पंचांग

दिनांक : 29 मई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 09:53 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रात: 10:38 तक
योग : परिघ रात्रि 04:34 तक
करण : तैतिल प्रात: 09:53 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अधिक मास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई तीन दिवसीय विष्णु पुराण कथा

विशाल भंडारे एवं पूर्णाहुति में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रामगुंडम (गोदावरीखनी), 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी प्रगति समाज महिला मंडल द्वारा कल्याण नगर स्थित राजस्थान भवन में आयोजित तीन दिवसीय विष्णु पुराण कथा का बुधवार को भक्ति एवं श्रद्धा के वातावरण में भव्य समापन हुआ। कथा की पूर्णाहुति विशाल भंडारे एवं विधि–विधान से संपन्न हवन के साथ की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ से श्रद्धेय श्री मोहन श्याम जी शास्त्री ने भगवान विष्णु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि प्रभु की सच्ची भक्ति ही मोक्ष प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है। उनके प्रवचनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया तथा श्रद्धालु भावविभोर होकर कथा श्रवण करते रहे।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी के दिव्य आगमन की झांकी रही। इसके साथ ही नरसिंह भगवान एवं भक्त प्रहलाद प्रसंग, भगवान श्रीराम जन्मोत्सव तथा भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की सुंदर झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नन्हे कृष्ण की बाल लीलाओं एवं रुक्मिणी विवाह प्रसंग की भावपूर्ण प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन को विशेष रूप से छू लिया। कथा के दौरान भक्ति गीतों एवं धार्मिक प्रस्तुतियों से राजस्थान भवन का वातावरण पूरी तरह भक्तिरस में डूबा रहा।

अंतिम दिन विधि–विधान के साथ हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में यजमानों ने आहुति देकर परिवार एवं समाज की सुख–समृद्धि की कामना की। कथा समापन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें रामगुंडम, एनटीपीसी एवं गोदावरीखनी क्षेत्र से पहुंचे श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

राजस्थानी प्रगति समाज महिला मंडल की अध्यक्ष मीनू जाजू, उपाध्यक्ष संगीता कंडोई, सेक्रेटरी आरती लाहोटी, जॉइंट सेक्रेटरी संतोष राठी तथा कैशियर रजनी पांडे ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रामगुंडम, एनटीपीसी एवं गोदावरीखनी वासियों, महिला मंडल की कार्यकर्ताओं तथा नवयुग मंडल के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

केबीआर पार्क में अन्नसेवा

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को श्रद्धा और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया।

सेवा कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और मानवता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि आज के समय में समाज को केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और सेवा भावना की भी आवश्यकता है। जरूरतमंद लोगों की सहायता करने से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और भाईचारे का वातावरण बनता है।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा और संस्कारों की भावना को मजबूत करना है। वहीं मनीष अग्रवाल ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने सामर्थ्य अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए, क्योंकि किसी भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है।

कार्यक्रम में जयप्रकाश सारडा, हरीश तोलाराम हिंदूजा, संजय गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने समर्पण एवं श्रद्धा भाव से अपनी सेवाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सदस्यों ने संकल्प लिया कि राधे–राधे ग्रुप भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्य करता रहेगा और अधिक से अधिक लोगों को मानव सेवा के इस अभियान से जोड़ने का प्रयास करेगा।

महानडू प्रजाला पंडुगा : राजनीति में एक नया अध्याय

अगले चुनाव में महिलाओं को 33% सीटें : तेदेपा

अमरावती, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) द्वारा अत्यंत प्रतिष्ठित रूप से आयोजित किया जा रहा महानडू–2026, राजनीतिक हलकों में एक नया उत्साह भर रहा है। इस बार मस्त्री शक्तिफ थीम के साथ आयोजित यह उत्सव, महिला सशक्तिकरण को बखूबी दर्शाता है। पार्टी के वर्किंग प्रेसिडेंट (कार्यकारी अध्यक्ष) नारा लोकेश द्वारा महानडू के मंच से की गई घोषणा राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर रही है।

राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने सराहना करते हुए कहा कि संसद में बिल पास हो या न हो, साल 2029 के आम चुनाव में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत सीटें आवंटित करने का निर्णय ऐतिहासिक है।

महानडू में नारा लोकेश का यह आह्वान मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा कि टीडीपी के भविष्य का नेतृत्व करने में महिलाओं को पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। हमें विधायी निकायों (कानून बनाने वाली संस्थाओं) में अधिक महिला सदस्यों की आवश्यकता है।

साना सतीश बाबू ने कहा कि पार्टी का यह फैसला देश भर के राजनीतिक दलों के लिए एक मार्गदर्शक का काम करेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि महानडू केवल एक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सभी तेलुगु लोगों का त्योहार है। बचत उपायों के तहत इस बार हाइब्रिड (मिश्रित) पद्धति से आयोजित किए जा रहे महानडू को कार्यकर्ताओं से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है।

दूसरी ओर, सांसद साना सतीश बाबू ने विपक्ष के नेता वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के रवैये पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन द्वारा लिए जा रहे फैसलों में स्पष्टता की कमी के कारण उनकी अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ता हताश और असंतुष्ट हो रहे हैं। राजनीतिक रूप से असुरक्षा की भावना से घिरे जगन दिन–ब–दिन जनता के बीच अपनी पकड़ खोते जा रहे हैं।

सांसद ने तंज कसते हुए कहा, जनता के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद न होने वाले निर्णय लेकर, जगन अपनी ही पार्टी को भ्रम और असमंजस की स्थिति में धकेल रहे हैं।

कोनापुर गांव में मुस्लिम भाइयों ने श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई बकरीद

बांसवाड़ा, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल अंतर्गत कोनापुर गांव में गुरुवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बकरीद का पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर मुस्लिम भाइयों ने ईदगाह एवं विभिन्न मस्जिदों में विशेष नमाज अदा कर अमन, शांति एवं खुशहाली की दुआ मांगी।

कोनापुर गांव के पूर्व सरपंच देशमुख वेंकटरमण राव ने अपने निवास पर विशेष व्यवस्थाएं कर मुस्लिम भाइयों का स्वागत किया तथा उन्हें बकरीद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बकरीद का त्योहार त्याग, बलिदान एवं भाईचारे का प्रतीक है और यह समाज में प्रेम एवं सद्भाव का संदेश देता है।

त्योहार के अवसर पर गांव में सौहार्द एवं भाईचारे का वातावरण देखने को मिला। लोगों ने एक–दूसरे को बकरीद की मुबारकबाद देकर खुशियां साझा कीं।

पत्रकार अमित कुमार मारपीट मामला :

जांच के लिए गुरुआ पहुंची श्रमजीवी पत्रकार यूनियन टीम

पटना, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश की राजधानी पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर के गया जिला के अंतर्गत गुरुआ के मुफस्सिल पत्रकार अमित कुमार के साथ हुई मारपीट, अपहरण एवं धमकी की घटना की जांच करने के लिए बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन, गया जिला इकाई की पांच सदस्यीय टीम बुधवार को गुरुआ पहुंची। टीम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रंजन सिन्हा कर रहे थे।

जांच के दौरान टीम ने घटना स्थल, यज्ञ स्थल तथा आसपास के लोगों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी जुटाई। जांच टीम सबसे पहले उस स्थान पर पहुंची, जहां आरोप है कि भाजपा नेता अमित दांगी ने अपने सहयोगियों के साथ पत्रकार अमित कुमार के साथ मारपीट की तथा उन्हें जबरन उठाकर ले गए।

इसके बाद टीम यज्ञ स्थल पहुंची, जहां मौजूद लोगों एवं स्थानीय ग्रामीणों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। जांच टीम ने कहा कि यदि घटना के समय का लगभग एक घंटे का सीसीटीवी फुटेज देखा जाए तो पूरे मामले की सच्चाई स्पष्ट रूप से सामने आ सकती है।

जांच के दौरान टीम ने यज्ञ करा रहे अयोध्या के पुजारी सीताराम दास जी से भी बातचीत की। इस संबंध में पुजारी ने स्पष्ट कहा कि पत्रकार द्वारा प्रकाशित खबर में कोई गलती नहीं थी। उन्होंने बताया कि उनकी पत्रकार अमित कुमार से मोबाइल पर बातचीत हुई थी तथा यज्ञ से संबंधित जानकारी भी साझा की गई थी।

उन्होंने कहा कि घटना के एक से दो घंटे के भीतर आरोपियों एवं पीड़ित के मोबाइल नंबर की लोकेशन तथा डीआर जांच की जाए तो पूरा मामला स्पष्ट हो जाएगा। पत्रकार अमित कुमार को दुकान से उठाकर कहां ले जाया गया, किस रास्ते से ले जाया गया और कितनी देर तक रखा गया ` यह सभी तथ्य जांच में सामने आ सकते हैं।

बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की जांच टीम ने कहा कि प्रारंभिक जांच में भाजपा नेता अमित दांगी पर लगाए गए आरोप सही प्रतीत हो रहे हैं। यूनियन ने कहा कि सार्वजनिक रूप से आयोजित कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करना पत्रकार का कर्तव्य है तथा पत्रकारों के साथ इस प्रकार की घटना अत्यंत निंदनीय है।

यूनियन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। जांच टीम में वरिष्ठ पत्रकार एवं यूनियन के मार्गदर्शन मंडल सदस्य कमलेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप रंजन, अभिषेक कुमार, धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य पत्रकार शामिल थे।

यह जानकारी बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन, गया इकाई के जिला मीडिया प्रभारी हरिबंश कुमार ने दी।

अंतर्राष्ट्रीय रामायण अधिवेशन एवं अवॉर्ड समारोह 31 को

डॉ. बसंत गोयल बतौर अतिथि होंगे शामिल

नई दिल्ली, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नई दिल्ली में आगामी 31 मई को अंतर्राष्ट्रीय रामायण अधिवेशन एवं अवॉर्ड 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम पंजाबी बाग स्थित सनातन धर्म मंदिर में आयोजित होगा, जिसकी तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं।

यह आयोजन समाधान बिजनेस ग्रुप रजि. द्वारा किया जा रहा है, जिसमें देश–विदेश से रामायण एवं सनातन संस्कृति से जुड़े विद्वानों, सामाजिक एवं धार्मिक हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम में गोयल मेडिकोज के प्रमुख, विश्व विख्यात परोपकारी एवं धार्मिक व्यक्तित्व डॉ. बसंत गोयल बतौर विशेष अतिथि शिरकत करेंगे। उनके आगमन को लेकर आयोजकों एवं श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजकों में न्यू जर्नी के चेयरमैन पी. के. गुप्ता, उपाध्यक्ष शैलेश कुमार शर्मा, एनके. ग्रुप ऑफ होटल्स के चेयरमैन विजय कपूर, नेशनल प्रोजेक्ट हेड एसबीजी निशांत शर्मा एवं नेशनल कॉर्डिनेटर एसबीजी अतुल शर्मा प्रमुख रूप से शामिल हैं।

आयोजन समिति के सदस्य कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं में टीम भावना के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

भारत का लोकतंत्र संपूर्ण विश्व के लिए मार्गदर्शक : ओम बिरला

लोकतांत्रिक संस्थाओं की शक्ति संवाद, सहभागिता और संवैधानिक मूल्यों में निहित

नई दिल्ली, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत का लोकतंत्र संपूर्ण विश्व के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य कर रहा है। अपनी संवाद, सहभागिता और संवैधानिक मूल्यों की समृद्ध परंपराओं के माध्यम से भारत वैश्विक स्तर पर विभिन्न राष्ट्रों को प्रेरित कर रहा है। वे दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक कक्ष में केंद्रीय विधान सभा (1924–1930) की कार्यवाही के 89 खंडों के विमोचन तथा त्रैमासिक पत्रिका विधान–चेतना के प्रथम अंक के शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की वास्तविक शक्ति जागरूक संवाद, तथ्यपरक चर्चा और सक्रिय जनभागीदारी में निहित होती है। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों में लोकतांत्रिक चेतना को सुदृढ़ करने के लिए भारत की संसदीय विरासत का संरक्षण एवं उसका गहन अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा का ऐतिहासिक भवन भारत की लोकतांत्रिक चेतना, संसदीय परंपराओं एवं स्वतंत्रता संग्राम का जीवंत प्रतीक है। यह वही ऐतिहासिक मंच है, जहां स्वतंत्रता सेनानियों एवं राष्ट्रीय नेताओं ने प्रतिनिधित्व, नागरिक अधिकारों और स्वशासन के लिए अपनी संवैधानिक मांगों को मुखर रूप से उठाया था।

श्री बिरला ने केंद्रीय विधान सभा के प्रथम भारतीय अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने संसदीय शिष्टाचार, निष्पक्षता एवं अध्यक्ष पद की गरिमा की मजबूत नींव रखी थी। औपनिवेशिक शासन के कठिन समय में भी उन्होंने विधायी संस्था की स्वायत्तता एवं प्रतिष्ठा को बनाए रखा। उनका योगदान आज भी देशभर के पीठासीन अधिकारियों एवं विधि निर्माताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि केवल तर्क, गंभीरता एवं तथ्यों पर आधारित चर्चा ही लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और जनता के विश्वास को मजबूत कर सकती है। संसद एवं विधानसभाओं को सदैव जनता की आकांक्षाओं का सर्वोच्च मंच बने रहना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ने शासन–प्रशासन एवं विधायी कार्यों में आधुनिक तकनीक की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि डिजिटलीकरण, ई–विधानसभा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकें नीति निर्माण एवं विधायी शोध को अधिक पारदर्शी, कुशल एवं सर्वसुलभ बना रही हैं।इस अवसर पर श्री ओम बिरला ने औपचारिक रूप से ङ्गविधान–चेतनाफ पत्रिका के प्रथम अंक एवं केंद्रीय विधान सभा की कार्यवाही के 89 खंडों का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक प्रकाशन आने वाली पीढ़ियों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय मर्यादाओं का मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

उन्होंने दिल्ली विधानसभा द्वारा इन दुर्लभ बहसों एवं ऐतिहासिक कार्यवाहियों के व्यवस्थित प्रकाशन की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत के विधायी इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए इन दस्तावेजों एवं ङ्गविधान–चेतनाफ पत्रिका को डिजिटल प्रारूप में भी व्यापक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री परवेश साहिब सिंह तथा दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं।

इस गुप्त मंत्र को सुनने और बोलने से ही दूर हो जाती है सारी समस्याएं

यह मंत्र निम्न प्रकार है-
नमो स्तवन अनंताय सहस्त्र मूर्तये, सहस्त्रपादाक्षि शिरोरु बाहवे
सहस्त्र नाम्ने पुरुषाय शाश्वते, सहस्त्रकोटि युग धारिणे नमः

जानिए एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में, जिसे सुनने और बोलने से ही समस्याएं भाग जाती हैं, लेकिन इसे किसी को बताना नहीं चाहिए।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है।

इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं। आज की इस पोस्ट में हम एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में बताएंगे जिसे सुनने मात्र से ही पाप कट जाते हैं। इस मंत्र के जाप से जीवन की बडी से बडी बाधा भी आसानी से कट जाती है।

जीवन में आने वाली समस्त बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए रोज सुबह इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र को भगवान शिव तथा विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। यह मंत्र अत्यन्त गुप्त है तथा आमतौर पर इसका उल्लेख नहीं किया जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस मंत्र के बारे में महाभारत के अनुशासन पर्व तथा तंत्र के प्राचीन ग्रंथों में लिखा गया है। इसके इस्तेमाल की विधि भी अत्यन्त सरल है। आपको केवल इतना सा करना है कि रोज सुबह नहा-धोकर, साफधुले हुए कपडे पहने तथा भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें पीले पुष्प, प्रसाद, चंदन आदि समर्पित करें और यथायोग्य उनकी पूजा कर उनसे इस मंत्र के जाप को आरंभ करने का आशीर्वाद लें।

इसके पश्चात एक स्वच्छ व शुद्ध आसन पर एकांत में बैठकर भगवान शिव अथवा विष्णु का ध्यान करते हुए इस मंत्र का जाप आरंभ कर दें। एक माला रोजाना कर लें। आपके लिए इतना ही पर्याप्त रहेगा। साथ ही समस्या हल होने तक इसका जाप लगातार जारी रखें।

पूजा के दौरान रोजाना किसी जीव (भिखारी, बच्चे, पशु या पक्षी) को भोजन दान दें। इसके अलावा घर पर आए साधु को भी अन्नदान दें। इसके बाद सच्चे मन से प्रार्थना कर अपने काम में जुट जाएं। अवश्य ही आपकी इच्छा पूरी होगी।

शुक्रवार को देवी लक्ष्मी के इन मंत्रों के जाप से आर्थिक कष्ट दूर हो जाते हैं

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं ।

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं जिससे सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैभव लाता है। महालक्ष्मी के पूजन में निम्न में से किसी भी एक मंत्र का जप 108 बार करना चाहिए।

श्री महालक्ष्मी के पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी पूजन के दो सरल मंत्र हैं। जिनका उच्चारण भी सरल है। महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए रोज इन मंत्रों का जप किया जा सकता है।

श्री महालक्ष्म्यै नमः। ऊँ महालक्ष्म्यै नमः। श्री महालक्ष्मी के अन्य मंत्र-

शास्त्रों में देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कई मंत्र हैं। जिनमें से तीन मंत्र इस प्रकारहैं। इन मंत्रों को तीव्र असरकारी कहा गया है। लेकिन उच्चारण में कठिन है। इसलिए प्रशिक्षित होने पर ही इन मंत्रों का जाप करें।

ऊँ श्रीं श्रियै नमः।
श्रीं हीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा ।
ऊँ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं हीं श्रीं ऊँ महालक्ष्म्यै नमः।

रावण ने मंदोदरी को बताए थे 'स्त्रियों के 8 अवगुण'

लंकापति रावण का नाम सुनते ही लोग उसके बारे में बुरा सोचने लगते हैं क्योंकि उसने मां सीता का हरण किया था। हम में से बहुत कम ही लोग जानते हैं कि वह एक महापंडित था, जिसने कठोर तपस्या कर के ढेर सारा ज्ञान अर्जित किया था।

रावण की एक पत्नी थी, जिसका नाम मंदोदरी था और वह उससे अति प्रेम करता था।

लेकिन रामचरित मानस के अनुसार जब रावण ने सीता का हरण कर लिया तब उसके बाद श्रीराम वानर सेना सहित समुद्र पार करके लंका पहुंच गए थे, तब मंदोदरी डर गई और उसने रावण के पास जा कर बोला कि आप युद्ध ना करें और सीता को वापस उनके पति श्रीराम के हवाले कर दें और उनसे क्षमा मांग लें।

यह सुनने के बाद रावण अपी पत्नी पर हंसा और महिलाओं के आठ अवगुणों को सुनाने लगा। आइये जानते हैं कि रावण ने स्त्रियों के कौन से 8 अवगुण बताए थे।

पहला अवगुण

पहला अवगुण है, महिला में बहुत ज्यादा साहस होना। इसके चलते वो कई बार उस जगह पर साहस का प्रदर्शन कर देती हैं, जहां उन्हें नहीं करना चाहिये। इससे उन्हें और उनके परिवार वालों को बाद में पछताना पडता है। साहस को दुःसाहस नहीं बनाना चाहिये।

दूसरा अवगुण

दूसरा अवगुण है, उनकी निरंतर झूठ बोलने की आदत। रावण ने कहा था कि महिलाएं बात बात पर झूंठ बोलती हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि झूंठ ज्यादा दिनों तक छुप नहीं पाता।

तीसरा अवगुण

वे काफी चंचल होती हैं। उनका मन बार बार बदलता रहता है और उनके मन की बात को समझना काफी मुश्किल होता है।

चौथा अवगुण

वे कई बार दूसरों के खिलाफ साजिश भी रचती हैं ताकि परिस्थिति उनके अनुकूल हो। अपना काम सिद्ध कराने के लिए महिलाएं क्या-क्या करती हैं, इसकी भी चर्चा की है रावण ने।

पांचवां अवगुण

हांलाकि वो एक ओर तो साहसी होती हैं मगर वे उतनी ही जल्दी घबरा भी जाती हैं। अगर उन्हें लगता है कि काम उनके मुताबिक नहीं हो रहा है तो, वह बदलाव देख डर जाती हैं।

छठा अवगुण

महिलाएं थोडी मूर्ख भी होती हैं। वे बिना सोचे समझे फैसला कर लेती हैं और बडी समस्या में पड जाती हैं और इसका एहसास उन्हें बडी देर से होता है।

सातवां अवगुण

उनका निर्दयी होना। स्त्रियों को पुरुषों के मुकाबले दयालु माना जाता है, लेकिन रावण के अनुसार स्त्रियां निर्दयी होती है। वे अगर कभी दया का भाव छोड दे यानि निर्दयी हो जाए तो कभी भी दया नहीं दिखाती।

आठवां अवगुण

महिलाएं देखने में चाहे कितनी भी सुंदर हों, खूबसूरत गहने और साडी पहने, लेकिन वह साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखती। इस कारण से रावण ने महिलाओं को अपवित्र कहा था।

भाग्यशाली बनने के ये हैं 5 उपाय

हर व्यक्ति भाग्यशाली बनने की तमन्ना रखता है। इसके लिए वह कई जतन करता है। वह कठिन परिश्रम करता है। ताकि वो अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभा सके। लेकिन फेंगशुई में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं। जिन्हें आजमाकर आप भाग्यशाली बन सकते हैं।

1. मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियां न हों: ध्यान रखें कि घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियों का होना दोषपूर्ण माना जाता है। इससे घर के मालिक की आर्थिक समस्याएं बढती हैं। इन खिडकियों के माध्यम से व्यक्ति का भाग्य हवा के साथ बह कर बाहर चला जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए खिडकियों की चौखट पर गोल पत्तियां वाले पौधे का गमला रख दें या ऊपर खिडकी में टांग दें।

2. प्रवेश द्वार के अगल-बगल पौधे रखें : घर व ऑफिस के प्रवेश द्वार के अगल-बगल में फूलों के गमले रखने चाहिए। ये घर में या ऑफिस में प्रवेश करने वाली ऊर्जा को और अधिक सकारात्मक व शक्तिशाली बना देते हैं। ध्यान रहे कि ये पौधे कांटेदार व नुकीली पत्तियां वाले नहीं हों।

3. हिंसा दर्शाते चित्र न लगाएं : घर में कभी भी हिंसा वाले चित्र न लगाएं। विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम कोने में तो बिल्कुल भी नहीं। क्योंकि यह कोना रिश्तों से संबंधित होता है। महाभारत के दृश्य, पुस्तक रखना घर परिवार में कलह का कारण बनता है। इससे मन भी अशांत रहता है।

4. सीधे चढाव के दोष को दूर कीजिए : घर में तिरछा या घुमावदार चढाव अच्छा माना जाता है। सीधे चढाव पर ची का प्रवाह एकदम तेज होता है। इसे कम करने के लिए नीचे छह खोखली रॉड वाली एक पवन घंटी (विंड चाइम) लटका देनी चाहिए। यह आगंतुकों के प्रवेश की सूचना देती है तथा गृह स्वामी को उनके प्रति सचेत करती है।

5. संदूक में दोहरा आइना लगाएं : अपने घर व दुकान के संदूक में नीचे व ऊपर की ओर आइना(मिरर) लगा होना चाहिए। इस प्रकार संदूक आपके पैसे को कई गुना बढा देगा। आमदनी भी अधिक होगी। संदूक में लाल फीते से तीन चीनी सिक्के बांध कर रखने से लक्ष्मी जी की प्राप्ति होती है।

मुस्कुराहट ऐसे बनाएगी सफल व्यक्ति

डिक्शनरी की परिभाषा अनुसार मुस्कराहट, चेहरे का एक ऐसा भाव है जिसमें होठों के किनारे हल्के से ऊपर की तरफउठ जाते हैं, और इससे एक व्यक्ति का उत्साह, उसकी रजामंदी या खुशी जाहिर होती है।

मुस्कान तथा प्रसन्नता हमारे शरीर एवं मन पर आश्चर्यजनक प्रभाव डालते हैं और शोक, भय, क्लेश जैसी प्राणघातक वृत्तियों का उन्मूलन क्षण भर में कर डालते हैं और इसी वजह से आनंद को ईश्वरीय गुण कहा गया है, क्योंकि वह हमारे शरीर में मधुर रस उत्पन्न करता है और किसी अव्यक्त मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से शरीर और मन पर तत्काल शान्ति का अलौकिक प्रभाव डालता है।

भौतिकता की अंधी दौड में भागते हुए इंसानों को संयोग से यदि कोई मुस्कुराता हुआ व्यक्ति दिख जाता है, तो उसे देखकर वे बडे प्रसन्न हो जाते हैं और उसकी ओर आकर्षित होते हैं। इसके पीछे का मूल कारण है 'सकारात्मक प्रभाव' जो केवल एक मुस्कान मात्र से व्यक्ति को अपने सर्व दुःख दर्द भुला देता है और सुख व संतोष की अनुभूति कराता है और इसीलिए ही मनुष्य को जब भी हंसने का अवसर मिले, तब जी भरके खूब हंसना चाहिए। याद रहे जो व्यक्ति हंसना नहीं जानता, वह जीना नहीं जानता।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है। तभी तो कहते हैं कि जो सदा हंसता-मुस्कुराता है, वह अस्सी वर्ष की अवस्था में भी नौजवान लगता है, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत जो मन-मलीन और उदास रहता है, वह बीस वर्ष की आयु में भी बूढा लगने लगता है। हंसने से फेफडों को भी नवीन शक्ति मिलती है, जिससे शरीर का रक्त शुद्ध और सशक्त बनता है। आज एक तरफ अनेक प्रकार के टीवी सीरियल्स मनुष्यों को जबरदस्ती हंसाने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ महानगरों में बने विविध लाफिंग क्लस मानव के चेहरे पर जबरदस्ती हंसी लाने का अल्प प्रयास कर रहे हैं। परन्तु यह कृत्रिम हास्य में क्या मजा असली मजा और आनंद तो वास्तविक मुस्कान में है, जो बदकिस्मती से हमें किसी के भी चेहरे पर दिखती नहीं है, क्यों।

इसका कारण है हमारे मन का मैल। जी हां जैसे दीपक की बाती में चाहे कितनी भी रोशनी हो पर उस पर लगे कांच के आवरण पर यदि मिट्टी या कालिमा लगी हो तो वह प्रकाश मैले कांच से अवरुद्ध हो जाता है एवं पूर्णरूपेण बाहर नहीं फैल सकता, ठीक इसी प्रकार से जब तक हमारे मन पर छल, कपट, ईर्ष्या, द्वेष, काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार की कालिमा है, तब तक हमारी आत्मा की खुशी अवरुद्ध होती रहेगी और हमारे चेहरे पर मुस्कराहट आयेगी नहीं, इसलिए सर्वप्रथम हमें इस कालिमा को दिव्य गुणों की धारणा द्वारा दूर करना होगा, अन्यथा हमारा जीवन इन्हीं अवगुणों के वशीभूत सदा दुखी व असंतुष्ट रहेगा। क्या हमने मनुष्य जन्म ऐसे ही रोते-बिलखते काटने के लिए लिया हैं या हंसते-खेलते और गाते-मुस्कराते हुए महोत्सव की भांति आनन्द लेने के लिए लिया है। तय आपको करना है, क्योंकि यह जीवन आपका है। हंसने से खत्म हो जाता है मनोविकारों का विष : हंसने से अनेक द्रव्य मस्तिष्क में प्रवाहित होते हैं जो हमें अनेक बीमारियों से बचाते हैं और तंदुरुस्त रखते हैं, इसीलिए ही हास्य को स्वास्थ्य का मूल-मंत्र माना गया है। ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध आदि उत्तेजनाओं से जो शारीरिक अस्त व्यस्तता उत्पन्न हो जाती है, मनोविकारों का जो विष अवयवों में संचित हो जाता है, वह हंसने से दूर हो जाता है।

मन जीतें जग जीत

जीवन भावयुद्ध की तरह है। अक्सर हम पाते हैं कि हम संग्राम में खडे हैं। कभी मन को राहत मिलती है तो कभी संवेदनाएं भी आहत भी होती हैं। मर्म पर लगी इस चोट की वजह कभी हमारा अहंकार होता है तो कभी दूसरों का। जीवन में कभी हम दूसरों से प्रभावित होते हैं और कभी अपनों से। समृद्ध जीवन के लिए जरूरी है कि भावनाओं के युद्ध में, विचारों और संबंधों के युद्ध में हम पराभूत न हों। लेकिन हो सकता है जिसने मनोविकार जीत लिए। जो मानसिक विकारों से मुक्त नहीं हो पाता वह विजेता नहीं हो सकता है। जो चित्त की वृत्तियों को स्थिर नहीं कर पाता वह जीत नहीं सकता। इसलिए गुरु नानक ने कहा है,'मन जीते जग जीत'। शास्त्र कहते हैं कि मन ही मनुष्य के बंधन और मुक्ति का कारण है। मन से बंधे हैं हम और मन की मुक्ति से ही मनुष्य मुक्त होगा। मुक्ति से अर्थ जडता, आलस्य, प्रमाद, संकीर्णता, भ्रम और भय से मुक्ति से है। इसलिए कभी अगर हम मुक्त हुए तो उसमें मन ही सहायक बनेगा। जब हम अपने मन पर नियंत्रण कर लेंगे तो हम चीजों से पार जा सकेंगे। संसार में जीत उसी की वही है जिसके पास विवेक है। मुश्किल परिस्थितियों में अपने विवेक के जरिए मनुष्य राह निकाल सकता है। विवेकवान मनुष्य बहुत तुच्छ चीजों पर ध्यान नहीं देता और चीजों को समग्रता में देखता है। इसलिए कितनी ही कठिन परिस्थिति क्यों न हो कुछ पल के लिए बिना तनाव के विचार करें। विचारें कि आप जो करने जा रहे हैं क्या वह बेहतर है, क्या वह हितकारी है और आप अच्छा रास्ता चुनने में हमेशा सफल रहेंगे।

ये हैं भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के 7 मंत्र

1-कृं कृष्णाय नमः

यह स्वयं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बताया गया मूलमंत्र है। इसके प्रयोग से रुका हुआ धन प्राप्त होता है। इसके अलावा इस मूलमंत्र का जाप करने से घर-परिवार में सुख की वर्षा होती है।

2- ऊं श्रीं नमः श्रीकृष्णाय परिपूर्णतमाय स्वाहा

यह श्रीकृष्ण का सप्तदशाक्षर महामंत्र है। अन्य मंत्र शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार 108 बार जाप करने से ही सिद्ध हो जाते हैं लेकिन इस महामंत्र का पांच लाख जाप करने से ही सिद्ध होता है। इससे अटके काम पूरे होते हैं।

3- गोवल्लभाय स्वाहा

ये केवल दो शब्द दिखाई देते हैं लेकिन धार्मिक संदर्भ से देखें तो इन शब्दों को बनाने के लिए प्रयोग में आए सात अक्षर बेहद महत्वपूर्ण हैं। यदि उच्चारण के समय एक भी अक्षर सही से नहीं पढा जाए, तो इस मंत्र का असर खत्म हो जाता है।

4- गोकुल नाथाय नमः

इस आठ अक्षरों वाले श्रीकृष्ण मंत्र का जो भी साधक जाप करता है उसकी सभी इच्छाएं व अभिलाषाएं पूर्ण होती हैं। आर्थिक, आत्मिक और भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

5- क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नमः

ज्इस मंत्र का प्रयोग साधक आर्थिक स्थिति में सुधार की कामना से करते हैं। यह संपूर्ण सिद्धि देना वाला मंत्र है। यह मंत्र आर्थिक स्थिति में सुधार ही नहीं करता बल्कि उसे दृढ भी बनाता है।

6- ऊं नमो भगवते श्रीगोविन्दाय

ज्यह ऐसा मंत्र है जो विवाह से जुडा है। जो जातक प्रेम विवाह करना चाहते हैं लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं रहा तो वे प्रातः काल में स्नान के बाद ध्यानपूर्वक इस मंत्र का 108 बार जाप करें।

7- ऐं क्लीं कृष्णाय ह्रीं गोविंदाय श्रीं गोपीजनवल्लभाय स्वाहा ह्सौं

ज्यह मंत्र उच्चारण में थोडा कठिन जरूर है लेकिन इसका प्रभाव अचूक है। यह मंत्र वाणी का वरदान देता है।

लैवेंडर तेल और बर्न्स - क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती है, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

मोटापा कम करने के लिए मुद्राएं

मोटापा ऐसी समस्या है जो अपने साथ कई तरह की बीमारी लेकर आती है। समय रहते काबू पाना बहुत जरूरी है। मोटापा कम करने में योग बहुत कारगर होता है। योगासनों के जरिए आप आसानी से मोटापा कम कर सकते हैं। मोटापे को दूर करने के लिए पृथ्वी मुद्रा का प्रयोग किया जाता है। और दूसरी मुद्रा है अपान वायु मुद्रा। इनका अभ्यास नियमित रूप से कम से कम 15 से 45 मिनट तक करेंगे, तभी इनका फायदा मिलेगा।

ये आदतें नष्ट कर देती हैं शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता

आदतें ही होती हैं जो हमारे जीवन, सेहत और चरित्र आदि का निर्माण करती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आपको एक आदर्ष जीवशैली और अच्छी आदतों का पालान करना होता है। जिसमें नियमित व्यायाम व पौष्टिक आहार आदि शामिल होते हैं। इस तरह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर रोगों से दूर रहता है। वहीं हमारी जीवनशैली से जुड़ी खराब आदतें हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं। लेकिन कुछ खराब आदतें ऐसी भी होती हैं, जिनसे शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता खतम हो जाती है।

अकसर जाने-अनजानें हमारी कई आदतें हमें कई रोगों की ओर ढ़केल देती हैं। इन आदतों के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता है और बीमारियों के बैक्टीरिया और वाइरस शरीर की प्रणाली पर हमला कर आसानी से उसे खराब करने लगते हैं। इसमें से कई आदतों के बारे में तो हमें पता ही नहीं चलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाली आदतें

- लगातार देर तक धूप में रहने से इम्यून पावर कमजोर हो सकती है। यूं तो सुबह की ताजी सूरज की रोशनी से शरीर को विटामिन डी मिलता है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन बहुत ज्यादा तेज धूप में रहने से त्वचा को नुकसान हो सकता है और त्वचा कैंसर तक की समस्या हो सकती है।
- बहुत ज्यादा तनाव से भी रोग प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। तनाव होने पर शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है जिससे इम्यूनिटी तो कमजोर होती ही है, साथ ही पाचन क्रिया भी पूरी तरह से गड़बड़ा जाती है।
- साफ-सफाई के प्रति लचर व्यवहार भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को नाकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। शरीर का साफ-सफाई पर ध्यान ना देने से हानिकारक कीटाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे कई बीमारियों और इंफेक्शन हो जाते हैं। साथ ही बहुत ज्यादा शराब का सेवन या धूम्रपान भी शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है।
- जाने-अनजाने में ही सही लेकिन खाने की गलत आदतें और बदपरहेजी धीरे धीरे रोग प्रतिरोधक त्क्षमता को खत्म करती हैं और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण भी बन सकती हैं। एक ताजा शोध के अनुसार तो डिब्बाबंद और माइक्रोवेव में बनाए खाद्य को खाने से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेने से ये दिमाग व पाचन क्रिया को सीधे-सीधे प्रभावित करती है। और इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटती है। इसलिए समय से सोएं और पूरी नींद लें। नियमित एक्सरसाइज करें और अच्छा भोजन करें। इस तरह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और रोग आपको छू भी नहीं पाएंगे।

खुशखबरी देने का सही समय है बारहवां हफ्ता

गर्भावस्था का बारहवां हफ्ता यानी गर्भवर्ती महिला दूसरी तिमाही में प्रवेश करने वाली है। अब गर्भपात का जोखिम न के बराबर है। यदि मां बनने वाली महिला दोस्तों और रिश्तेदारों को यह खुशखबरी नहीं दी है तो अब उन्हें यह खबर दे सकती हैं। दूसरी तिमाही में प्रवेश करने पर महिलाएं राहत महसूस करती हैं। अब उन्हें जल्द ही मां बनने का अहसास मन ही मन खुशी देता है। इस समय कुछ महिलाओं का बेबी बंप दिखाई देने लगता है, जब्कि कुछ का दिखाई भी नहीं देता। यदि गर्भवर्ती महिला के अंदर कोई शारीरिक बदलाव नहीं हो रहा तो परेशानी होने की काई बात नहीं है। आंतरिक परिवर्तन लगातार जारी हैं।

बच्चे का विकास

दूसरी तिमाही में प्रवेश कर लिया है, अब बच्चे के विकास में तेजी आएगी। मस्तिष्क हार्मोन का उत्पादन शुरू करेगा और तंत्रिका कोशिकाएं भी जल्द बढ़ेंगी। गर्भ में पल रहा शिशु तरल पदार्थ को चूसना और आहार को निगलना शुरू कर देगा। सब कुछ सही रहने पर शिशु की लंबाई और आकार में परिवर्तन होता रहेगा।

बच्चे की मुठ्ठी, खोलने और बंद करने की प्रक्रिया भी अब शुरू होने लगती है। समय समय पर बच्चे के होठ और भौंहे सिकुड़ने लगते हैं। आंखें और कान चेहने के अनुपात में विकसित होने शुरू हो जाता हैं। हफ्तों और महीनों का समय बीतने के साथ शिशु की बनावट में और भी बदलाव आने लगता है।

शरीर में परिवर्तन

गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह के दौरान बच्चे की स्थिति में होने वाले परिवर्तन के कारण गर्भाशय के आकार में भी परिवर्तन दिखाई देगा। अब मां का पेट पहले से बड़ा होना शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही वजन में दो से तीन पाउंड की वृद्धि हो जाएगी। त्वचा के रंग में भी कुछ परिवर्तन होगा। यदि त्वचा पर दाग हैं तो ये गर्भावस्था के दौरान और गहरे हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में पेट के केंद्र से एक गहरे रंग का रेशा दिखाई देना शुरू हो सकता है, यह शिशु के जन्म के बाद गायब भी हो सकता है।

हर महिला के गर्भावस्था के दौरान अलग-अलग लक्षण होते हैं, इसलिए यदि किसी महिला के लक्षण किसी से भिन्न हैं तो चिंता की बात नहीं है। गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह में मां बनने वाली महिला के दिल में जलन भी अधिक हो सकती है। इसमें कमी लाने के लिए दिन भर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में आहार लें। चिकित्सक से ऐसे खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी करें, जिनके सेवन से दिल में जलन न हो। यह समय मोलर गर्भावस्था का हो सकता है। इस समय नाल ठीक से विकसित नहीं होती। धब्बे या योनि से खून बहता दिखाई दे सकता है। इस तरह की परेशानी होने पर बिना किसी लापरवाही के चिकित्सक से परामर्श करें। इस तरह की परेशानी गर्भपात का कारण भी बन सकती है।

क्या उम्मीद की जाती है

दूसरी तिमाही में जाने पर गर्भपात का जोखिम काफी कम हो गया है। सुबह को होने वाली परेशानी, थकान और मितली जैसी दिक्कतें भी कम होंगी। पहले से अच्छा महसूस कर रही होगी। आपके हार्मोन बच्चे के विकास के साथ समायोजन कर रहे हैं और सब अच्छी तरह से चल रहा होना चाहिए। त्वचा सूर्य के प्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशील बनी महसूस हो सकती है। इस समय त्वचा पर दाग या काले धब्बे बन सकते हैं। धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल फायदेमंद रहेगा। संतुलित आहार योजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं रखें। जो महिलाएं पहले गर्भवती रह चुकी हैं, उनसे बात करें और उनके अनुभवों को जानने की कोशिश करें। अपने और बच्चे के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए समय-समय पर चिकित्सक से मिलते रहें।

सुझाव / सलाह

सफलता पूर्वक पहली तिमाही पूरी कर ली है। अब दूसरी तिमाही की शुरूआत हो चुकी है। पहले के मुकाबले शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर महसूस कर रही हैं। यदि आने वाले दिनों में गर्भवती महिला को यात्रा करने का विचार बन रहा है तो उसके लिए यह समय बेहतर है। सुबह को होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने वाली बधाईयां आपकी खुशी को दोगुना कर देंगी। अन्य महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान की बातों को सुनकर उनसे अपने अनुभवों की तुलना न करें। जरूरी नहीं कि हर महिला की गर्भावस्था के दौरान का अनुभव एक जैसा ही हो। यदि इस सबके बाद मन में अगर कोई प्रश्न है तो चिकित्सक से परामर्श करना अच्छा रहेगा।

गर्भावस्था के बारहवें हफ्ते में

- पहली तिमाही के मुकाबले गर्भवर्ती महिला को कम थकान और मितली भी कम आएगी। इस समय कोशिश करें कि तनाव न लें। इससे ऊर्जा स्तर में वृद्धि होगी।
- अब एरोबिक्स एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में लागू कर सकती हैं। इसके लिए यह सही समय है।
- अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को शामिल करें, इससे मां और गर्भस्थ शिशु दोनों ही स्वस्थ रहेंगे।

कैंसर से लड़ने में मददगार हैं ये जादुई फूल

कैंसर रोग पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कैंसर के तेजी से बढ़ते मामले और जटिल इलाज के चलते लोगों के लिए यह रोग काफी डरावना बन चुका है। इसका बारे में बात करने से भी लोग घबराते हैं। शोध बताते हैं कि कैंसर दुनिया भर में हर साल हज़ारों मौतों का कारण बनता है। यह दरअसल शरीर में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि होती है, जो ऊतकों को मार देती हैं और अंततः शारीरिक प्रणाली को नष्ट कर देती हैं। कैंसर मानव प्रणाली के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैंसर के सबसे आम प्रकार में स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर व लिम्फोमा आदि शामिल होते हैं। लेकिन ऐसा भी माना जाता है कि कुछ प्राकृतिक औषधियों की मदद से भी कैंसर का इलाज किया जा सकता है। चलिए इस विषय के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं। जैसे कि माना जाता है कि डेंडलाइन का फूल कैंसर के उपचार में मददगार होता है।

कैंसर का इलाज: हालांकि कैंसर के कई प्रकारों का इलाज करना संभव होता है, लेकिन इस बीमारी के दोबारा होने का भी बड़ा जोखिम रहता है, जिसके चलते ये बीमारी और भी घातक हो जाती है। इस रोग के साथ इलाज के स्थायी होने की कोई गारंटी नहीं होती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य संगठनों और अनुसंधान केन्द्रों द्वारा कैंसर के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के प्रयास में हर साल लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहे हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के लिये दवाएं, कीमो थेरेपी तथा जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आदि कि मदद से कैंसर के उपचार और बचाव को प्रभावी बनाया जा सकता है। ऐसा भी माना जाता है कि कैंसर के उपचार और रोकथाम के लिए प्राकृतिक नुस्खों की मदद भी ली जा सकती है। डेंडलाइन का फूल जिसे कामफूल के नाम से भी जाना जाता है, के फूल के बारे में भी ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर से लड़ सकने वाले असाधारण औषधीय गुण होते हैं।

कैंसर से लड़ने की क्षमता: डेंडलाइन का फूल, खासतौर पर इसकी जड़ में असंख्य विटामिन और खनिज होते हैं, जोकि मानव प्रणाली को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। डेंडलाइन का फूल विटामिन डी, सी और बी, आयरन, सिलिकॉन, जिंक व पोटेशियम आदि पोषक तत्वों का शरीर में संचार करता है। इन सबके मनुष्य के लिए विभिन्न स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह फूल कोशिकाओं को पोषण देता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके साथ - साथ डेंडलाइन कब्ज, गुर्दे और यकृत रोग, पीलिया, वायरल फ्लू, आदि को भी दूर कर सकता है। यह फूल नई बनी मां के दूध का उत्पादन भी कुशलता से बढ़ा सकता है। डेंडलाइन के फूल को एक उत्कृष्ट रक्त शोधक भी माना जाता है, जो कि चयापचय दर को ठीक बनाए रखने और रक्त विकारों को रोकने में मदद करता है। इस सभी स्वास्थ्य लाभों के साथ डेंडलाइन में कैंसर से लजडने की काबिलियत बी होती है।

विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों से पता चलता है कि डेंडलाइन की जड़ में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर सकने वाले गुण होते हैं।

जानें पोकवीड केब हर्ब्स के गुणों के बारे में

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण

पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम, ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों कको लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट बताओ।

महिलाओं के लिए पोकवीड

पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्स्टिटशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें

परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाइ बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

अर्थराइटिस

पुराने दिनों से, रूमेटाइड अर्थराइटिस से जुड़े दर्द और सूजन को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए टिंचर उपयोगी है। वैकल्पिक रूप से एक या दो सूखी बेरी लेकर उसे पूरा ही खा लें। बहुत कम मात्रा में टिंचर का इस्तेमाल सिर दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रतिरक्षा प्रणाली में मजबूती

पोकवीड में प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित रोगों के इलाज की क्षमता भी होती है, क्योंकि इसमें एंटी एड्स दवा के गुण और क्षमता होती है। यह प्रचुर मात्रा में टी-कोशिकाओं पर परस्पर प्रभाव डाल प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

श्वसन संक्रमण का इलाज

पोकवीड के काढ़े का सामान्यत गले में दर्द और टांसिलाइटिस, ग्रसनीशोथ, अपच जैसे श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, यह ग्रंथियों की सूजन और पुराने संक्रमण के इलाज में भी कारगर है।

कैंसर का इलाज

जल्द ही पोकवीड ने कैंसर का इलाज करने की क्षमता हासिल कर लोक्रिपयता प्राप्त कर ली है, विशेष रूप से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के लिए। शोधों से पता चला है कि कैंसर की प्राकृतिक चिकित्सा के लिए यह जड़ी-बूटी बहुत ही फायदेमंद है। पोक की जड़ एंटीटॉक्सिन थेरेपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कुछ प्रकार के ट्यूमर विकास में बाधा उत्पन्न करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रेसिपी

बटर गार्लिक फ्राइड राइस

सामग्री

दो कप पके हुए चावल, लहसुन की 6 कलियां बारीक कटी हुई, आधा कप हरा लहसुन बारीक कटा हुआ, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक बड़ी चम्मच फ्रेंच बीस बारीक कटी हुई, आधा कप पत्तागोभी बारीक कटी हुई, आधा कप फूलगोभी बारीक कटी हुई, एक गाजर छीलकर कद्दूकस कर लें, एक बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, दो बड़े चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक

विधि

गैस पर नॉन स्टिक पैन में मक्खन गर्म करें। इसमें लहसुन और प्याज डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक फ्राई करें। अब पैन में फ्रेंच बींस, फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर और नमक डालकर मिक्स करें। अब पके चावल, लहसुन का पेस्ट और थोड़ा पानी छिड़ककर इन्हें मिलाएं। अब हरा लहसुन डालकर इसे मिक्स करें। फिर पैन को ढक दें और धीमी आंच पर इसे 3 से 4 मिनट तक पकाएं। गैस को बंद करे 2 मिनट बाद पैन का ढक्कन खोलकर चावल को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है बटर गार्लिक फ्राइड राइस। इन्हें प्लेट में निकालकर गर्मागर्म सर्व करें।

चिल्ली पनीर

सामग्री

पनीर - 300 ग्राम, ग्रीन कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), रैड कैप्सीकम - 1 (कटी हुई), कार्न फ्लोर - 3-4 स्पून, टमाटो सास - 1/4 कप, तेल- 3 -4 चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच, सोया सास- 2 छोटी चम्मच, चिल्ली सास- 2 छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2-3 (छोटी काटी हुई), अदरक - 1 इंच टुकड़ा (कद्दूकस), नमक स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, चिल्ली फ्लेक्स -1/4 छोटी चम्मच, अजीनो मोटो-2 पिंच, पोदीना के पत्ते- 12

विधि

पनीर क्यूब्स को एक बाउल में रखें, उसमें डालें नमक, अदरक-लसहुन पेस्ट, मैदा, 1 छोटा चम्मच टोमाटो चिल्ली सॉस और अच्छे से मिलाएं। हरे प्याज को मोटा-मोटा काटें। एक नॉन स्टिक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। लाल मिर्चों के छोटे टुकड़े करके उनके बीज निकालें और पैन में डालें। फिर हरे प्याज डालकर भूने। पैन में शिमला मिर्चें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक डालकर कुछ देर पकाएं। 1 बड़ा चममच टोमाटो चिल्ली सॉस डालें और 2 मिनिट तक पकने दें फिर आंच बुझा दें। पनीर के क्यूब्स को पैन में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गारमागरम परोसें।

संपादकीय

हज के बाद जंग!

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 'अच्छी खबर' तो दे नहीं सके और न ही ईरान के साथ समझौता कर पाए, लेकिन उनके लड़ाकू विमानों ने ईरान के नौसेना बेस पर तीन हमले जरूर कर दिए। इस तरह ट्रंप ने युद्धविराम तुड़वा दिया। अमरीकी सेना ने ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर हमले कर ईरानी स्पीड नौकाओं को समंदर में डुबो दिया। मिसाइल लॉन्च साइट्स पर भी हवाई हमले कर उन्हें नष्ट कर दिया गया। अमरीकी सेना की दलील है कि ईरानी नौकाएं समंदर में बारूदी सुरंगें बिछा रही थीं, लिहाजा आत्मरक्षा में अमरीका को हमले करने पड़े। इन हमलों और धमाकों में ईरानी आईआरजीसी के 4 जवान हताहत हुए और कुछ घायल भी हुए हैं। ईरान ने इसे युद्धविराम का 'साक्षात उल्लंघन' करार दिया है और अमरीका को 'महान शैतान' माना है। ईरान बेहद गुस्से में है। चूंकि यह 'पवित्र हज' का दौर है, दुनिया भर से 15 लाख से अधिक जायरीन हज यात्रा के लिए मक्का पहुंच चुके हैं। भारत के जायरीनों (तीर्थयात्रियों) का अधिकृत कोटा भी 1.75 लाख से ज्यादा का है, लिहाजा ईरान किसी संभावित युद्ध के दोबारा आगाज के मद्देनजर खामोश है, लेकिन उसने हमलों की पुष्टि की है। युद्धविराम के दौरान अमरीका ने ऐसे हमले किए हैं, लिहाजा युद्धविराम टूट चुका है। सवाल है कि क्या हज के बाद युद्ध नए सिरे से छिड़ेगा? यह बेहद गंभीर, संवेदनशील, मानवीय सवाल है, क्योंकि पूरा विश्व इससे प्रभावित हुआ है। हाहाकार मचा है। ऊर्जा के अलावा खाद्य संकट, उर्वरक संकट, माल के आयात-निर्यात का संकट और अंततः भुखमरी का संकट इस युद्ध के नतीजतन ही है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और विश्व बैंक 'महामंदी' की चेतावनी दे रहे हैं, लेकिन अमरीका और ईरान वैश्विक तबाही को आमादा हैं। अमरीका ने आदतन फिर दोगला प्रहार किया है। एक ओर कतर की राजधानी दोहा में कथित मध्यस्थ देश शांति-समझौते की रूपरेखा पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर अमरीकी सेना ने ईरानी पक्ष पर हमले किए हैं? यह किस किस्म की कूटनीति या शांति-संवाद हैं? राष्ट्रपति ट्रंप दावा करते रहे हैं कि ईरान के साथ अमरीका की 95 फीसदी सहमति बन चुकी है। शेष 5 फीसदी पर बातचीत जारी है, लेकिन साथ में यह धमकी भी देते रहे हैं कि यदि ईरान ने करार नहीं किया, तो पहले से भी भयंकर हमले किए जाएंगे। ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावों, सहमतियों और सवंर्धित यूरेनियम संबंधी बयानों को सिरे से खंडित किया है। अब हमलों के बाद और बकरीद के मौके पर ईरान के सुप्रीम लीडर मुज़्तबा खामेनेई का संदेश टीवी पर पढ़ा गया है, जिसमें उन्होंने ट्रंप को चेतावनी दी है कि अब खाड़ी देश अमरीकी सैन्य ठिकानों की 'ढाल' नहीं बनेंगे। अब खाड़ी का यह इलाका अमरीका के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' नहीं रहा है। खामेनेई ने मुस्लिम देशों को एकजुट होने और नई विश्व-व्यवस्था बनाने की अपील भी की है। हमलों के बाद ईरान ने पलटवार कर अमरीका के एम.क्यू.-9 ड्रोन (कीमत करीब 250 करोड़ रुपए) और आर.क्यू.-4 हॉक ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। अमरीका के बेशकीमती एफ-35 फाइटर जेट पर भी मिसाइल से हमला किया गया है। इससे ईरान और सुप्रीम लीडर के मजबूत और आक्रामक मंसूबों को पढ़ा जा सकता है। रक्षा विशेषज्ञों के आकलन हैं कि हज के बाद, यानी आगामी 72 घंटों में, ईरान युद्ध नए सिरे से शुरू हो सकता है। यह भी आकलन है कि 3-4 महीने युद्धविराम का नाटक करने के बाद अमरीका सितंबर-नवंबर के दरमियान फिर हमला कर सकता है। तब तक राष्ट्रपति ट्रंप पर घरेलू दबाव, मध्यावधि चुनावों का तनाव और अमरीका की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर जन-विरोध उतना नहीं रहेगा, जितना अब है। दोनों देशों के बीच समझौते के आसार बहुत कम हैं, क्योंकि यूरेनियम, ईरान की जब्त संपत्तियों, पाबंदियों, हमले की क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलमार्ग आदि अहम मुद्दे यथावत अनसुलझे रहे हैं। उधर राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नया खेल शुरू कर दिया है कि सभी खाड़ी देश और वार्ता में जुटे मुस्लिम देश 'अब्राहम समझौते' पर दस्तखत करें और इजरायल को मान्यता दें। खाड़ी के अधिकतर देश सन्नाटे में हैं, क्योंकि वे इजरायल के साथ किसी भी तरह के संबंधों के पक्षधर नहीं हैं।

ईरान ने इसे युद्धविराम का 'साक्षात उल्लंघन' करार दिया है और अमरीका को 'महान शैतान' माना है। ईरान बेहद गुस्से में है। चूंकि यह 'पवित्र हज' का दौर है, दुनिया भर से 15 लाख से अधिक जायरीन हज यात्रा के लिए मक्का पहुंच चुके हैं। भारत के जायरीनों (तीर्थयात्रियों) का अधिकृत कोटा भी 1.75 लाख से ज्यादा का है, लिहाजा ईरान किसी संभावित युद्ध के दोबारा आगाज के मद्देनजर खामोश है, लेकिन उसने हमलों की पुष्टि की है। युद्धविराम के दौरान अमरीका ने ऐसे हमले किए हैं, लिहाजा युद्धविराम टूट चुका है। सवाल है कि क्या हज के बाद युद्ध नए सिरे से छिड़ेगा? यह बेहद गंभीर, संवेदनशील, मानवीय सवाल है, क्योंकि पूरा विश्व इससे प्रभावित हुआ है। हाहाकार मचा है। ऊर्जा के अलावा खाद्य संकट, उर्वरक संकट, माल के आयात-निर्यात का संकट और अंतत: भुखमरी का संकट इस युद्ध के नतीजतन ही है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और विश्व बैंक 'महामंदी' की चेतावनी दे रहे हैं, लेकिन अमरीका और ईरान वैश्विक तबाही को आमादा हैं। अमरीका ने आदतन फिर दोगला प्रहार किया है।

कुछ अलग

उजले भविष्य के ध्वजवाहक

फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यास 'मैला आंचल' का बावन दास तो आजकल तलाश किए कहीं नहीं मिलता। मिलते हैं तो अपने या अपने परिवार के हितों के दास। चार-चार पीढियां एक ही दल की बागडोर सम्भाले रहती हैं। उसकी अकूत धन-सम्पदा की एकमात्र ट्रस्टी बनी रहती हैं। लेकिन समय आने पर आम आदमी के दुख-दर्द की थाह लेने, उसकी दयनीय अवस्था पर आंसू टपकाते उन्हें देर नहीं लगती। अच्छे दिनों का अमृत बरस जाने का महोत्सव मना लिया। इसी बीच अकिंचन और भी फटीचर हो गए, लेकिन उनकी हालत न सुधर सकने का दोष विरोधी दल के मत्थे मढ़ दिया जाता है। हमने भी तो इस बीच एक लम्बी अवधि तक शासन किया। इस शासन में सबकी नहीं, अपने परिवार की हालत सुधारने पर बल दिया है। यही सूत्र चलता रहा कि राजा का बेटा अगर राजा हो सकता है, तो मंत्री का बेटा भी तो मंत्री ही होता है। आत्महत्या के बढ़ते हुए आंकड़े बताते हैं कि किसान का बेटा बदहाल किसान रहा, और मजदूर का बेटा वृक्ष से लटका हुआ खुदकुशी करता हुआ मिलता रहा है। ये आत्महत्याओं के आंकड़े इस देश में कम क्यों नहीं होते? देश में भुखमरी का सूचकांक भयावह रूप धारण करता चला जा रहा है, लेकिन नेता जी जो चाहे कुर्सीधारी हैं, या उनसे कुर्सी हथियाने के फेर में लगे हैं, केवल एक ही बात कहते हैं, आपकी भूख मिटाने के लिए हमारे पास सामुदायिक लंगर योजना तैयार खड़ी है। सर्वहितकारी राहतों और रियायतों की राजनीति के बल पर अपने हित की रक्षा के लिए दलबदल नेता अपने-अपने चेहरे की रौशनायी चमकाते रहते हैं।

जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, होने नी रेत, ने खोने नो डर और भारिया कहते हैं डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे। इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या? जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे। लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं। रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है। लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए। ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड,

जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा – हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे। लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है – अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं। रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ–साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं।

छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं। यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता। कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना। लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है। दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया। असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है। चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है। झारखंड की रुबिका पहाड़नि या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताज़ा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया। दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

देश दुनिया से

सरकारी स्कूलों की आपराधिक उपेक्षा क्यों

स्कूली शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में 'नीति' आयोग ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। यह विडंबना ही है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली की धूल में नीति-आयोग की यह रिपोर्ट कहीं खो सी गयी है। इस रिपोर्ट के कुछ आंकड़े सिर्फ चौंकाते ही नहीं, परेशान भी करते हैं। जैसे, यह रिपोर्ट बताती है कि देश में सरकारी और निजी स्कूलों की स्थितियों का अंतर शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की उपेक्षा को ही उजागर नहीं करता, बल्कि यह भी बता रहा है कि देश के भविष्य को लेकर हमारी चिंताएं कितनी खोखली हैं। प्रधानमंत्री एक से अधिक अवसरों पर अपने भाषणों में इस आशय के दावे कर चुके हैं कि देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास कर रहा है। मसलन, एक भाषण में उन्होंने कहा था कि देश में प्रति सप्ताह एक नया विश्वविद्यालय खुल रहा है, हर रोज एक नया कॉलेज खुल रहा है। प्रधानमंत्री आईआईटी और आईआईएम के विस्तार के दावे भी कर चुके हैं। लेकिन नीति-आयोग की यह रिपोर्ट शिक्षा क्षेत्र की बुनियादी कमजोरियों को उजागर कर रही है। पिछले एक दशक के विश्लेषण पर आधारित यह रिपोर्ट बता रही है कि हमने शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को सरकारी और गैर-सरकारी में बांटकर समूची शिक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिये हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है। रिपोर्ट में ऐसे और भी कई आंकड़े हैं जो यह बताते हैं कि शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्र में हम किस तरह की आपराधिक उपेक्षा बरत रहे हैं। उदाहरण के लिए सन् 2017 और 2024 के बीच देश में 87000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो गये, इसकी तुलना में निजी स्कूलों की जैसे बाढ़-सी आ रही है। यह सही है कि हाल के कुछ सालों में, विशेषकर कोरोना-काल के बाद सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वालों की संख्या

कुछ बढ़ी है, पर इसका कारण शिक्षा का स्तर नहीं, अभिभावकों की आर्थिक विवशता कहीं अधिक है। वैसे, यह भी एक विडंबना ही है कि आज देश में हमारी शिक्षा भी गरीब और अमीर में बंट गयी है। मान लिया गया है कि आर्थिक अभावों से जूझ रहे परिवारों के बच्चों की विवशता है कि वे सरकारी स्कूलों में जाएं जहां पढ़ाई लगभग मुफ्त होती है। आर्थिक स्थिति जरा-सी भी सुधरती है तो यह अभिभावक महंगे स्कूलों की ओर रुख कर लेते हैं। शिक्षा के क्षेत्र का यह बंटवारा हमारी प्राथमिक चिंता होनी चाहिए। स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर ही विद्यार्थियों को 'छोटे-बड़े' का अहसास दिलाने वाली हमारी शिक्षा-नीति एक तरह से शिक्षा के अधिकार के हमारे दावों को ही झुठला रही है। हम देश के हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार की बात तो करते हैं, पर किस प्रकार की शिक्षा दी जा रही है इस बारे में शायद सोचना ही नहीं चाह रहे। सन् 2021-22 में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10,22,386 सरकारी और 3,35,844 निजी स्कूल हैं। यहां निजी स्कूल का मतलब महंगी पढ़ाई और बेहतर सुविधा है। यह कतई ज़रूरी नहीं है कि महंगी पढ़ाई का मतलब अच्छी पढ़ाई ही हो– हां, इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और पढ़ाने वाले अभिभावक यह अहसास अवश्य जीते हैं कि उनका स्तर 'ऊंचा' है। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के बीमार सोच का पालन उन सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो समता-समानता के दर्शन वाले संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं। 'पढ़ेगा इंडिया बढ़ेगा इंडिया' का नारा देने वाले को इस बात की भी चिंता होनी चाहिए कि 'इंडिया' क्या पढ़ रहा है? कैसी पढ़ाई कर रहा है। दुर्भाग्य से यह चिंता कहीं दिखाई नहीं देती। नीति-आयोग की इस महत्वपूर्ण रिपोर्ट में हमारे स्कूलों की स्थितियों को तो अच्छे ढंग से दिखाया गया है, पर जिस तरह से यह रिपोर्ट अचर्चित ही रही है, वह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। आखिर हमें दो तरह की शिक्षा की आवश्यकता क्यों है? क्यों नहीं देश के हर बच्चे को एक समान और अच्छे स्तर की शिक्षा मिलनी चाहिए? इस बारे में हमारा छोटा-सा पड़ोसी देश नेपाल भी हमें कुछ सिखा सकता है। सुना है नेपाल की नई सरकार ने हाल ही में देश के सारे निजी स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है। वहां यह व्यवस्था की जा रही है कि सारी शिक्षा सरकारी स्कूलों के माध्यम से दी जाये ताकि सब बच्चे एक जैसे स्तर की शिक्षा पा सकें। शिक्षा का अधिकार जितना ज़रूरी है, उससे कम ज़रूरी नहीं है शिक्षा का समुचित अवसर मिलना। शिक्षा को निजी और सरकारी में बांटने का मतलब अवसर की समानता के अधिकार को नकारना है। ज़रूरी है कि स्कूली शिक्षा प्रणाली और गुणवत्ता संवर्धन का विश्लेषण करने वाली इस रिपोर्ट पर देश में गहरा और व्यापक चिंतन हो। आज यह सवाल पूछे जाने की आवश्यकता है कि सरकारी स्कूल में पढ़ने का अर्थ घटिया शिक्षा पाना ही क्यों माना जाता है? क्यों नहीं हम सरकारी स्कूलों में ऐसी व्यवस्था कर सकते हैं कि हमारे बच्चे गर्व से कहें कि वे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं? स्कूलों में पानी हो, बिजली हो, शौचालय हो, अच्छी साफ-सुथरी कक्षाएं हों– और बच्चों को पढ़ाने वाले सक्षम अध्यापक हों, इन अपेक्षाओं को पूरा क्यों नहीं किया जा सकता? क्यों यह नहीं सोचा जाता कि एकल अध्यापक वाले स्कूल में बच्चे उचित शिक्षा कैसे पा सकते हैं।

आप का नज़रिया

चीन, पाकिस्तान तालिबान की दोस्ती

पाकिस्तान तालिबान की दोस्ती पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार अपनी चीन यात्रा पूरी कर चुके हैं। गत बुधवार को बीजिग में इसहाक डार ने अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। तीनों देशों ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का अफगानिस्तान तक विस्तार करने पर सहमति जताई है। पाक विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान में कहा- चीन और पाकिस्तान ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) सहयोग के व्यापक ढांचे के तहत चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का अफगानिस्तान तक विस्तार करने का समर्थन किया है, चीन ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्राभुता और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने का भी समर्थन किया है। भारत सीपीईसी की आलोचना करता रहा है क्योंकि यह गलियारा पाकिस्तान प्राशासित कश्मीर से होकर गुजरता है। सीपीईसी चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना का हिस्सा है। इसलिए भारत इसका भी विरोध करता है। यह त्रिपक्षीय बैठक विदेश मंत्री एस. जयशंकर की आमिर खान मुत्तकी से बातचीत के वुछ दिन बाद हुई है। हालांकि भारत नेअभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। जब इस बारे में विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता रणधीर जायसवाल से इस बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था, हमने वुछ रिपोट्र्स देखी है। इसके अलावा हमें इस बारे में और वुछ नहीं कहना है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता लिन जियान ने बीजिग में हुई इस बैठक को अनौपचारिक बताया है। चीन की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने राजनयिक संबंधों को आगे बढ़ाने का स्पष्ट रुख व्यक्त किया है। चीन और पाकिस्तान, अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और विकास का समर्थन करता है। चीन साल 2021 में आने के बाद तालिबान सरकार के साथ राजनीतिक संबंध जारी रखने वाले शुरुआती देशों में से एक था। इस मुलाकात को पाकिस्तान की भारत के खिलाफ वूटनीतिक रणनीति और क्षेत्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश के रूप में एक और कदम देखा जा सकता है। चीन-पाकिस्तान और अफगानिस्तान अगर करीब आते हैं तो भारत की विदेश नीति को एक और करार झटका लगता है। वैसे ही आपरेशन सिदूर ने इतना तो साबित कर ही दिया है कि भारत की विदेश नीति, कोर नीति पूरी तरह से असफल ही है। इसका जीता जागत सुबूत है कि आपरेशन सिदूर के दौरान सिवाय इक्का-दुक्का देश के और कोईं देश भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ। माने या न माने हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुरी तरह से पेल हो गए है और मोदी जी के लिए एक बोझ बन गए हैं जिन्हें बदलना अति आवश्यक हैं। प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संयुक्त दलों का प्रातिनिधिमंडल विदेश में भारत के स्टैंड को बताने का पैसला सराहनीय है। यह भी अच्छा कदम है कि इस व्राइसिस के समय पूरी पिछली सरकार और वेंद्र सरकार मिलकर काम करें। पाकिस्तान वूटनीति और विदेश नीति में हमारे से बेहतर रहा है। अब अगर चीन-पाक और तालिबान भी एक मंच पर आ जाते हैं तो भारत की चिता और बढ़ जाती है। दुर्भाग्य यह है कि तालिबान सरकार भूल गईं है कि उसके पुनर्निर्माण में भारत ने कितनी मदद की और कर रही है। पर चीन के सामने शायद ही कोईं टिक सके और चीन हमें घेरने में कोईं कसर नहीं छोड़ रहा है।

तीनों देशों ने चीन–पाकिस्तान आर्थिक गालियारे (सीपीईसी) का अफगानिस्तान तक विस्तार करने पर सहमति जताईं है। पाक विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान में कहा– चीन और पाकिस्तान ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआईं) सहयोग के व्यापक ढांचे के तहत चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का अफगानिस्तान तक विस्तार करने का समर्थन किया है, चीन ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्राभुता और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने का भी समर्थन किया है। भारत सीपीईसी की आलोचना करता रहा है क्योंकि यह गलियारा पाकिस्तान प्राशासित कश्मीर से होकर गुजरता है। सीपीईसी चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना का हिस्सा है। इसलिए भारत इसका भी विरोध करता है। यह त्रिपक्षीय बैठक विदेश मंत्री एस. जयशंकर की आमिर खान मुत्तकी से बातचीत के वुछ दिन बाद हुईं है। हालांकि भारत नेअभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। जब इस बारे में विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता रणधीर जायसवाल से इस बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था, हमने वुछ रिपोट्र्स देखी है। इसके अलावा हमें इस बारे में और वुछ नहीं कहना है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता लिन जियान ने बीजिग में हुईं इस बैठक को अनौपचारिक बताया है। चीन की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने राजनयिक संबंधों को आगे बढ़ाने का स्पष्ट रुख व्यक्त किया है। चीन और पाकिस्तान, अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और विकास का समर्थन करता है। चीन साल 2021 में आने के बाद तालिबान सरकार के साथ राजनीतिक संबंध जारी रखने वाले शुरुआती देशों में से एक था।

दृष्टि कोण

ऊर्जा की नई किरण भारत-ओमान समुद्री पाइपलाइन

होर्मुज जलसंधि का रास्ता बंद होने और भारत में ऊर्जा-संकट के बादल गहराने से जुड़ी खबरों के बीच एक खबर को ज्यादा सुर्खियां नहीं मिल पाईं कि भारत, गहरे समुद्र में एक गैस पाइपलाइन परियोजना पर विचार कर रहा है, जो हमें ओमान से जोड़ेगी। भारत सरकार ने अब इस पर तेजी से काम करना शुरू किया है। हाल में कुछ मीडिया स्रोतों ने पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारियों को उद्धृत करते हुए खबर दी है कि मंजूरी मिली, तो करीब 4.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली परियोजना खाड़ी क्षेत्र से निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। परियोजना को समय से हरी झंडी मिली, तब भी इसे पूरा होने में पांच से सात साल लगेंगे। उसके पहले इसके सभी आर्थिक और तकनीकी पहलुओं पर विचार करना भी ज़रूरी होगा। सौ साल से ज्यादा समय से इसकी परिकल्पना चल रही है। इस पर यूपीए सरकार के दौर में भी बात चली थी। ओमान की वेबसाइट 'मस्कट डेली' की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार नई दिल्ली स्थित निजी क्षेत्र के कंसोर्शियम साउथ एशिया गैस एंटरप्राइज (सेज) द्वारा प्रस्तुत पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन पर विचार कर रही है, जो समुद्र तल की स्थितियों का अध्ययन करने के लिए 'टेस्ट-सेक्शन' बिछा रहा है। 'सेज' ने प्रस्तावित मार्ग पर लगभग 3,000 मीटर परीक्षण पाइपलाइन बिछाकर प्रारंभिक चरण का तकनीकी सत्यापन कर लिया है, जिस पर लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह पाइपलाइन इंजीनियरों के लिए चुनौती भी होगी, क्योंकि कुछ जगहों पर यह करीब साढ़े तीन किलोमीटर तक की गहराई पर बिछानी पड़ेगी, जो अब तक समुद्र के नीचे बिछाई गई दुनिया की किसी भी पाइपलाइन की तुलना में चार गुना अधिक गहरी होगी। इस अध्ययन का उद्देश्य समुद्र तल की स्थितियों का आकलन करना और इंजीनियरिंग संभावनाओं की पुष्टि करना है। संभावना है कि भारत का पेट्रोलियम मंत्रालय, सरकारी कंपनियों गेल, इंजीनियर्स इंडिया और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश

देगा। रिपोर्ट सकारात्मक हुई, तो ओमान के साथ गैस आपूर्ति, वित्तपोषण और परियोजना कार्यान्वयन पर औपचारिक बातचीत का रास्ता खुलेगा। पश्चिम एशिया से भारत तक समर्पित पाइपलाइन बनी, तो हम किसी ट्रांज़िट देश या समुद्री अवरोध बिंदु पर निर्भर नहीं रहेंगे और किफायती लागत पर गैस की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी। मिडिल-ईस्ट-इंडिया डीप-वाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी) अरब सागर के नीचे लगभग 2,000 किलोमीटर तक लंबी होगी, जो ओमान को भारत के गुजरात तट से जोड़ेगी। इस परियोजना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से गैस आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। वर्ष 2025 में भारत के एलएनजी आयात का लगभग दो-तिहाई हिस्सा होर्मुज़ जलसंधि से होकर गुजरा था। इस साल फरवरी के अंत में होर्मुज़ संकट शुरू होने के बाद, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जिससे कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई। इस गिरावट के कारण भारत के उर्वरक संयंत्रों, बिजलीघरों और उद्योगों की आपूर्ति में अचानक लगे झटकों ने चिंता पैदा की है। खनिज तेल की ऊंची कीमतों ने आयात लागत को पहले ही बढ़ा दिया है। इस पृष्ठभूमि में, टैंकरों पर निर्भरता को कम करने और प्राकृतिक गैस का स्थिर प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए दशकों पुरानी इस परियोजना को पुनर्जीवित किया जा सकता है। इस परियोजना से प्रतिदिन लगभग 31 मिलियन मानक घन मीटर (एमएमएससीएमडी) प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होने की उम्मीद है।

नार्वे चेस 2026 : तीसरे दौर में बड़ा उलटफेर प्रज्ञानानंद ने मैग्नस कार्लसन को हराया

गुकेश ने फिरोजा से ड्रा खेला, दिव्या देशमुख ने आर्मागेडन में दर्ज की जीत

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे चेस 2026 के तीसरे दौर में बुधवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। ओस्लो में खेले गए मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने शानदार रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए क्लासिकल मुकाबले में जीत दर्ज की। मैच के अधिकांश समय तक प्रज्ञानानंद मजबूत स्थिति में नजर आए। हालांकि समय के दबाव में कुछ समय के लिए मुकाबले का रुख कार्लसन की ओर जाता दिखा, लेकिन इसके तुरंत बाद नार्वे के स्टार खिलाड़ी ने बड़ी गलती कर दी और उन्हें हार स्वीकार करनी पड़ी।

फिरोजा ने बरकरार रखी बढ़त

विश्व चैंपियन डी. गुकेश और टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा के बीच क्लासिकल मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा और अंततः ड्रा पर समाप्त हुआ। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और तालिका में अपनी बढ़त कायम रखी। वहीं विंसेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच भी क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। बाद में आर्मागेडन गेम में वेस्ली सो ने जीत दर्ज की। तीसरे दौर के बाद अलीरेजा फिरोजा अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

नार्वे चेस महिला वर्ग में भी रोमांच जारी

नार्वे चेस विमेंस टूर्नामेंट में भी सभी क्लासिकल मुकाबले ड्रा रहे, जिसके बाद विजेता का फैसला आर्मागेडन मुकाबलों से हुआ। महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और झू जिनेर के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। एक समय झू जिनेर मजबूत स्थिति में थीं, लेकिन वह उसे जीत में नहीं बदल सकीं। बाद में आर्मागेडन में झू जिनेर ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। अन्ना मुजिचुक और भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद आर्मागेडन में अन्ना मुजिचुक ने जीत हासिल की। वहीं टूर्नामेंट लीडर बिबिसारा अस्साउबायेवा और भारत की दिव्या देशमुख के बीच भी क्लासिकल मुकाबला बराबरी पर छूटा। इसके बाद दिव्या देशमुख ने शानदार खेल दिखाते हुए आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज की।

न्यूज ब्रीफ

फ्रेंच ओपन 2026: अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आसानी से पार किया दूसरा दौर, सीधे सेटों में दर्ज की जीत

पेरिस। दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को दूसरे दौर में चेक गणराज्य के टामस मचाक को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। रोलां गैरो के कोर्ट फिलिप शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में ज़्वेरेव ने मचाक को 6-4, 6-2, 6-2 से मात दी। अब तीसरे दौर में उनका सामना मेजबान फ्रांस के क्वेंटिन हालीस से होगा। मैच के बाद ज़्वेरेव ने कहा, मैं अपने खेल से काफी संतुष्ट हूं। मेरा आत्मविश्वास अच्छा है और मैं आगे के मुकाबलों को लेकर उत्साहित हूं। उम्मीद है कि मैं फिर इसी कोर्ट पर खेलने लौटूंगा। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर मौजूद टामस मचाक मैच के दौरान फिटनेस से जूझते नजर आए। दूसरे सेट में उन्हें बाएं पैर में परेशानी के कारण लंबा मेडिकल टाइम-आउट लेना पड़ा। ज़्वेरेव ने कहा, डेढ़ सेट तक मुकाबले का स्तर काफी शानदार था, लेकिन चोट के कारण मैच की लय थोड़ी टूट गई। मैं खुश हूं कि मुकाबला तीन सेट में समाप्त कर सका। विश्व नंबर-3 ज़्वेरेव ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और केवल एक ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए महज 1 घंटा 48 मिनट में जीत दर्ज कर ली। गौरतलब है कि ज़्वेरेव ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के सबसे करीब पेरिस में ही पहुंचे हैं। पिछले पांच वर्षों में वह लगातार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे हैं, जबकि 2024 के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्काराज के खिलाफ पांच सेटों में हार का सामना करना पड़ा था ।

टी20 विश्वकप जीतने के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका : वोल्वार्ट

जोहांसबर्ग। हाल ही में भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज जीत से उत्साहित दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट अब अगले माह इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को जीतना चाहती हैं। वोल्वार्ट का कहना है कि उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह खिलाब जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पिछले कुछ साल में लगातार सुधार किया है। वह साल 2023 और 2024 में लगातार दो टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। इसके अलावा, टीम पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में भी उपविजेता रही थी। लगातार फाइनल में पहुंचने के बाद भी खिताब हासिल नहीं कर पाने की निराशा से टीम नहीं है और उसके अंदर जीत का जज्बा बढ़ा है। वोल्वार्ट ने लिखा, लगातार दो बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचना निश्चित रूप से हमारे लिए बेहद खास रहा, लेकिन मुझे लगता है कि इसने हमें एक कदम और आगे बढ़ने के लिए उत्साहित कर दिया है। उनकी टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। गौरतब है कि इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले, दक्षिण अफ्रीका ने अप्रैल में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारतीय टीम को 4-1 से हरा दिया था। वोल्वार्ट के अनुसार, भारत के खिलाफ सीरीज दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ अपने को आंकने का एक शानदार अवसर था। उस सीरीजको जीतने से टीम का आत्मविश्वास तो बढ़ा ही, बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने टीम की क्षमता और जुझारूपन को दिखाय।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप, 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाड़ी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्काटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

यूनिटी कप 2026 : जमैका से हारा भारत, अब जिम्बाब्वे से होगा तीसरे स्थान का मुकाबला

सेमीफाइनल में 0-2 से मिली हार, नौफाल पीएन और रिकी शाबोंग ने किया भारतीय टीम के लिए पदार्पण

लंदन

यूनिटी कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय फुटबाल टीम को बुधवार की जमैका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। द वैली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में जमैका के ए कोर्टनी क्लार्क और काहीम डिक्सन ने गोल दागे।

इस जीत के साथ जमैका ने फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना नाइजीरिया से होगा। नाइजीरिया ने पहले सेमीफाइनल में जिम्बाब्वे को 2-0 से हराया था। वहीं भारतीय टीम अब 30 मई को तीसरे स्थान के मुकाबले में जिम्बाब्वे से भिड़ेगी।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहा मुकाबला

इस मैच में भारत के लिए कई खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। नौफाल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया, जबकि एडमंड लालरिंदिका को पहली बार शुरुआती एकादश में मौका मिला।

भारत 2002 के बाद पहली बार ब्रिटिश धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहा था, लेकिन टीम मैच में शुरुआत से ही लय हासिल नहीं कर सकी।

मैच के आठवें मिनट में जमैका ने तेज पलटवार किया। भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने पहले शानदार बचाव किया, लेकिन भारतीय डिफेंस गेंद को पूरी तरह क्लियर नहीं कर सका। कोर्टनी क्लार्क ने ढीली गेंद पर कब्जा जमाते हुए शानदार शाट के जरिए गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। फीफा रैंकिंग में 71वें स्थान पर मौजूद जमैका ने इसके बाद लगातार आक्रामक खेल जारी रखा। 17वें मिनट में काहीम डिक्सन के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका था, लेकिन गुरप्रीत ने बेहतरीन बचाव कर भारत को मैच में बनाए रखा। पहले हाफ के अंतिम हिस्से में भारत ने कुछ बेहतर पासिंग दिखाई, लेकिन अंतिम तिहाई में टीम की कमी साफ नजर आई। रयान विलियम्स, लालियांजुआला छांगते और एडमंड लालरिंदिका प्रभाव छोड़ने में असफल रहे।

दूसरे हाफ में भारत ने दिखाई वापसी की कोशिश

हाफ टाइम के बाद भारतीय टीम ज्यादा आक्रामक नजर आई। 53वें मिनट में भारत को बराबरी का शानदार मौका मिला, जब जमैका के डिफेंस और गोलकीपर की गलती का फायदा उठाते हुए रोशन ने रहीम अली को पास दिया। हालांकि रहीम अली आफसाइड पाए गए और छांगते का गोल मान्य नहीं हुआ। इसके बाद भारत ने मैच में वापसी की कोशिश तेज कर दी। कोच खालिद जमील की टीम ने ऊंची लाइन पर खेलते हुए जमैका पर दबाव बनाया और कुछ समय के लिए मैच का नियंत्रण अपने हाथ में लिया।

काहीम डिक्सन ने खत्म की भारत की उम्मीदें

जब भारत वापसी की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी 78वें मिनट में काहीम डिक्सन ने शानदार व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन करते हुए मैच का दूसरा गोल दाग दिया। उन्होंने बाक्स के बाहर से शानदार मूव बनाते हुए आकाश मिश्रा को छकाया और गेंद को गुरप्रीत सिंह संधू के पास से निकालकर गोल में पहुंचा दिया।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे आलराउंडर विजय शंकर

कोलंबो

भारतीय टीम के पूर्व आलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। कैंडी रायल्स टीम की इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनो को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है। साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकार्ड बनाया था। वह कैंडी रायल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लीग की आरे से कहा गय कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज आलराउंडर के आने से कैंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखधर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोईन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है। पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन और एलपीएल के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एससी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है।

मटेता के गोल से क्रिस्टल पैलेस ने जीता पहला यूरोपीय खिताब

लीपज़िग। जीन-फिलिप मटेता के दूसरे हाफ में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत क्रिस्टल पैलेस ने बुधवार रात यूईएफए कान्फ्रेंस लीग फाइनल में रायो वायेकेनो को 1-0 से हराकर क्लब इतिहास का पहला यूरोपीय खिताब अपने नाम कर लिया। यह जीत टीम के मैनेजर ओलिवर ग्लासनर के लिए भी शानदार विदाई साबित हुई। क्रिस्टल पैलेस को घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन के आधार पर शुरुआत में यूरोपा लीग में जगह मिली थी, लेकिन यूईएफए के मल्टी-क्लब ओनरशिप नियमों के चलते टीम को कान्फ्रेंस लीग में भेज दिया गया। हालांकि टीम ने इसे निराशा नहीं बनने दिया और पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाते हुए यूरोपीय मंच पर ऐतिहासिक सफलता हासिल की। मैच का निर्णायक क्षण 51वें मिनट में आया, जब एडम व्हार्टन के लंबी दूरी के शाट को रायो गोलकीपर आगस्तो बताला पूरी तरह रोक नहीं सके। गेंद उनके हाथों से छिटककर मटेता के पास पहुंची और फ्रांसीसी स्ट्राइकर ने करीब से आसान गोल दागते हुए क्रिस्टल पैलेस को बढ़त दिला दी।

जून में होगा रग्बी महिला प्रीमियर लीग का आयोजन

16 से 28 जून तक हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में होंगे मुकाबले

हैदराबाद

रग्बी महिला प्रीमियर लीग (आरपीएल) मुकाबलों का आयोजन अगले माह जून में होने जा रहा है। आयोजकों के अनुसार इस लीग के आयोजन से देश में महिला रग्बी खिलाड़ियों को प्रौत्साहन मिलेगा। हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में ये टूर्नामेंट 16 से 28 जून तक खेला जागा। इसमें चार फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए टकरायेंगी। इनमें चेन्नई बुल्स, दिल्ली रेड्ज, मुंबई ड्रीमर्स और कोलकाता बंगा टाइगर्स शामिल हैं। इन लीग को प्रतिष्ठित कार्पोरेट घरानों के समर्थन से भी लाभ होगा।

इस लीग का आयोजन जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया मिलकर कर रहे है। ये दोनो ही देश में रग्बी के विकास और प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन एक रोमांचक प्रक्रिया के माध्यम से होगा। चार महिला टीमों और छह पुरुष टीमों (जिनमें मेजबान हैदराबाद हीरोज और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स जैसे नाम शामिल हैं) के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इस लीग से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। पिछले साल मुंबई में रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सफल सत्र का आयोजन किया गया था, और अब महिला टूर्नामेंट की शुरुआत से लीग का दायरा और महत्व काफी बढ़ गया है। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने इस ऐतिहासिक पहल पर अपनी खुशी और उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, रग्बी इंडिया में हमारा हमेशा से यह सपना रहा है कि आरपीएल का महिला टूर्नामेंट भी हो। इस साल हमारा वह सपना पूरा हो रहा है और हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह महिला एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का एक अद्भुत मंच प्रदान करेगा, साथ ही देश में रग्बी के प्रति जुनून को और बढ़ाएगा।

आईपीएल 2026 : सूर्यवंशी ने आरेंज कैप पर जमाया कब्जा, रनों की दौड़ में बने नंबर-1

राजस्थान रायल्स के युवा बल्लेबाज ने तोड़े कई रिकार्ड, जोफ्रा आर्चर भी पर्पल कैप की रेस में मजबूत

नई दिल्ली

राजस्थान रायल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में बुधवार रात विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए आरेंज कैप अपने नाम कर ली। उनकी तूफानी पारी ने राजस्थान को क्वालिफायर-2 में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वैभव सूर्यवंशी ने मैच में सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 12 छक्के लगाए और एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी सबसे तेज आईपीएल शतक के रिकार्ड के भी करीब पहुंच गए थे। यह रिकार्ड फिलहाल क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 30 गेंदों में शतक लगाया था। इस शानदार पारी के साथ सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 680 रन हो गए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पीछे छोड़ा, जिनके खाते में 652 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। राजस्थान रायल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 21 गेंदों पर 50 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इस प्रदर्शन के बाद वह इस सीजन 508 रन के साथ तालिका में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी शानदार सीजन खत्म किया। क्लासेन 624 रन के साथ चौथे, ईशान किशन 602 रन के साथ पांचवें और अभिषेक शर्मा 563 रन के साथ आठवें स्थान पर रहे। पर्पल कैप की दौड़ में आर्चर की जोरदार वापसी राजस्थान रायल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी पिछले दो मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर पर्पल कैप की दौड़ को रोमांचक बना दिया है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने 17 रन देकर 3 विकेट लिए थे, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 58 रन देकर 3 बड़े विकेट हासिल किए। खास बात यह रही कि उन्होंने हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और अभिषेक शर्मा जैसे खतरनाक बल्लेबाजों को पावरप्ले के अंदर आउट किया। आर्चर अब इस सीजन 24 विकेट के साथ पर्पल कैप की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। हालांकि उनसे आगे अभी दो गेंदबाज मौजूद हैं रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा, जिनके नाम 26-26 विकेट हैं।

ऑल इन वन

शुक्रवार, 29 मई, 2026
हैदराबाद

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कोल इंडिया हिस्सेदारी बिक्री : निवेशकों के लिए आखिरी मौका

नई दिल्ली

भारत सरकार अपनी विनिवेश रणनीति के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में अपनी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। यह हिस्सेदारी बिक्री आफर फार सेल (ओएफएस) के माध्यम से की जाएगी, जिसके तहत सरकार सीआईएल में 20 प्रतिशत तक की इक्विटी बेचने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मंगलवार को सरकारी माइनिंग कंपनी ने स्टाक एक्सचेंज फाइलिंग में इस संबंध में जानकारी साझा की। केंद्र सरकार ने इस ओएफएस के लिए प्रति शेयर न्यूनतम मूल्य या फ्लोर प्राइस 412 रुपये निर्धारित किया है। यह मूल्य बीते कारोबारी दिन मंगलवार को कोल इंडिया के एनएसई क्लोजिंग प्राइस 455.90 रुपये से लगभग 10 प्रतिशत कम है, जो निवेशकों को रियायती दर पर सरकारी कंपनी के शेयर खरीदने का आकर्षक अवसर प्रदान करता है। सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के लिए निर्धारित 80,000 करोड़ रुपये के विनिवेश लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में कोल इंडिया के शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाना है। ओएफएस के तहत केंद्र सरकार कोल इंडिया की कुल इक्विटी पूंजी के 1 प्रतिशत के बराबर 6.16 करोड़ शेयर बेच सकती है। इसके अतिरिक्त, ओवरसब्सक्रिप्शन की स्थिति में सरकार ने इतने ही एक्स्ट्रा शेयर बेचने के लिए ग्रीन शू विकल्प अपने पास रखा है। इस प्रकार, कुल 12.32 करोड़ शेयरों की बिक्री हो सकती है, जो कंपनी में सरकार की 2 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। फ्लोर प्राइस के हिसाब से 1 प्रतिशत बेस हिस्सेदारी की बिक्री से ही सरकार को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की उम्मीद है, जबकि ग्रीन शू विकल्प का पूरा उपयोग होने पर यह राशि दोगुनी होकर 5,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। गैर-खुदरा निवेशकों के लिए बोली बुधवार शुरू होगी, जबकि खुदरा निवेशक और पा कर्मचारी शुक्रवार, 29 मई को इसमें भाग ले सकते हैं। केंद्र सरकार वर्तमान में कोल इंडिया की प्रमोटर बनी हुई है औ सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में हिस्सेदार बेचकर अपनी विनिवेश रणनीति जारी रख हुए है। यह ओएफएस आया है जब कोल इंडिया ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किय है। मार्च में समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 2026) के लिए, कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत बढ़कर 10,908 करोड़ रुपये रहा, जबकि परिचालन राजस्व प्रतिशत बढ़कर 46,490 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 5.25 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की भी घोषणा की है।

न्यूज ब्रीफ

छोटे कद के राइडर्स की पहली पसंद बनी ये बाइक्स

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में अब कम लंबाई वाले राइडर्स के लिए कम सीट हाइट वाली बाइक्स बेहतर विकल्प बनकर उभर रही हैं। कंपनियां अब ऐसे ग्राहकों को ध्यान में रखकर नए माडल पेश कर रही हैं, जिन्हें भारी और ऊंची बाइक चलाने में परेशानी होती है। टीवीएस राइडर 125 अपनी 780 एमएम सीट हाइट और हल्के वजन के कारण युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो रही है। इसका 124.8 सीसी इंजन स्मूथ राइडिंग अनुभव देता है और ट्रैफिक में दोनों पैर आसानी से जमीन पर टिक जाते हैं। वहीं रायल एनफील्ड हंटर 350 ने भारी-भरकम बाइक की पारंपरिक छवि बदल दी है। 790 एमएम सीट हाइट और काम्पैक्ट डिजाइन के कारण इसे शहर की सड़कों पर आसानी से चलाया जा सकता है। रायल एनफील्ड गोरिल्ला 450 भी कम सीट हाइट के साथ दमदार इंजन देने वाली खास बाइक मानी जा रही है। इसमें 452 सीसी इंजन के बावजूद सीट हाइट केवल 780 एमएम रखी गई है। टीवीएस रानिन भी 795 एमएम सीट हाइट और आरामदायक राइडिंग पोस्चर के कारण रोजाना उपयोग के लिए अच्छा विकल्प बन रही है।

मारुति सुजुकी फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक से लैस नई कार करेगी पेश

नई दिल्ली। भारत में जल्द ही मारुति सुजुकी फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक से लैस नई कार पेश करने वाली है। मारुति सुजुकी कंपनी ने संकेत दिए हैं कि पर्यावरण दिवस यानी 5 जून 2025 को वह ऐसी कार प्रदर्शित कर सकती है, जो ई-100 इथेनाल फ्यूल पर चलने में सक्षम होगी।

बढ़ते ईंधन लागत के कारण एअर इंडिया 800 घरेलू उड़ानें घटाएगी, इंडिगो भी कर सकता है कटौती

नई दिल्ली

बढ़ते जेट फ्यूल की कीमतों और आपरेशनल लागत में वृद्धि के तहत, टाटा समूह की एअर इंडिया जून से अगस्त के बीच प्रति सप्ताह करीब 800 घरेलू उड़ानों में कटौती करने वाली है। यह एयरलाइन द्वारा महत्वपूर्ण कदम है जो उसकी कुल घरेलू उड़ानों का लगभग 22 प्रतिशत है। कंपनी ने फैसला जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों और संचालन में आ रही अन्य चुनौतियों के कारण लिया है। इसी बीच, रिपोर्ट के अनुसार, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो भी अपनी घरेलू उड़ानों में 5 से 7 प्रतिशत तक की कमी कर सकती है, जिससे भारतीय हवाई यात्रियों पर सीधा असर पड़ेगा।

एअर इंडिया वर्तमान में प्रति सप्ताह करीब 4400 उड़ानें संचालित करती है, जिसमें से करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। एयर इंडिया ने स्पष्ट किया है कि वह बाजार की मांग और आपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी और जैसे ही परिस्थितियां सामान्य व स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दुबारा बहाल करने पर विचार होगा। इन कटौतियों का मुख्य कारण 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष है, जिससे वैश्विक जेट फ्यूल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके अलावा, ईरानी हवाई क्षेत्र के उपयोग से बचने के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के मार्ग लंबे हुए हैं और पाकिस्तानी एयरस्पेस पर जारी पाबंदियों ने भी परिचालन लागत को बढ़ाया है। इंटरनेशनल आटोमोबाइल फेडरेशन (एफआईए) के आंकड़ों के मुताबिक, एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च में ईंधन का हिस्सा पहले 40 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह वित्तीय दबाव एयरलाइंस के नेटवर्क को वित्तीय रूप से अस्थिर बना रहा है। एयरलाइंस पर दबाव पहले से ही दिख रहा था। एविएशन एनालिटिक्स फर्म के आंकड़ों के अनुसार, मार्च और अप्रैल में भारत की चार सबसे बड़ी एयरलाइंस के संचालन में पिछले साल की तुलना में 6 प्रतिशत की गिरावट आई थी। इस दौरान, इंडिगो ने 4.5 प्रतिशत और एअर इंडिया ने 7.5 प्रतिशत कम उड़ानें संचालित कीं, जबकि एअर इंडिया की बजट एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस में सबसे ज्यादा 17.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई।

परिचालन लागत बढ़ने से एयरलाइंस ने इसका बोझ यात्रियों पर डाल दिया है, जिससे हवाई किराए में भारी वृद्धि हुई है। किराए बढ़ने से घरेलू हवाई यात्रा की मांग में भी कमी आई है, जिससे उद्योग को दोहरी मार पड़ रही है। वर्तमान में, भारतीय घरेलू हवाई यात्रा बाजार पर इंडिगो और एअर इंडिया का दबदबा है, जिनका संयुक्त बाजार हिस्सा करीब 90 प्रतिशत है।

ग्राहकों में मिड साइज एसयूवी एमजी हेक्टर लोकप्रिय

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एमजी मोटर्स की मिड साइज एसयूवी एमजी हेक्टर लोकप्रिय बनी हुई है। ग्राहक इस एसयूवी को करीब दो लाख रुपये की डाउन पेमेंट देकर घर ला सकता है। कंपनी की ओर से हेक्टर के बेस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 11.99 लाख रुपये रखी गई है। दिल्ली में इसकी आन रोड कीमत करीब 13.87 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। इसमें आरटीओ शुल्क, इंश्योरेंस और टीसीएस चार्ज भी शामिल हैं। यदि ग्राहक दो लाख रुपये डाउन पेमेंट करता है, तो बाकी करीब 11.87 लाख रुपये का फाइनेंस करवाना होगा। अगर बैंक सात साल की अवधि के लिए नौ फीसदी ब्याज दर पर लोन मंजूर करता है, तो ग्राहक को हर महीने लगभग 19,110 रुपये की ईएमआई चुकानी होगी। इस तरह सात साल में कुल ब्याज करीब 4.17 लाख रुपये हो जाएगा। ब्याज और आन रोड कीमत जोड़ने पर इस एसयूवी की कुल लागत करीब 18.05 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। एमजी हेक्टर को भारतीय बाजार में टाटा सफारी, महिंद्रा स्कार्पियो, महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्स0, मारुति ग्रैंड विटारा, किआ सेल्टोस, हुंडई क्रेटा और होंडा एलिवेट जैसी एसयूवी से कड़ी टक्कर मिलती है।

बेमौसम मार के बावजूद रिकार्ड गेहूं उत्पादन का अनुमान : सरकार

नई दिल्ली

देश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बावजूद सरकार ने फसल सत्र 2025-26 के लिए गेहूं उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि का अनुमान लगाया है। कृषि मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार यह उत्पादन 2.29 प्रतिशत बढ़कर रिकार्ड 12.06 करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो पिछले अनुमानों के अनुरूप है।

कृषि मंत्रालय ने जुलाई 2025-जून 2026 सत्र के लिए प्रमुख कृषि फसलों का अपना तीसरा अनुमान जारी करते हुए कहा कि गेहूं का अनुमानित उत्पादन पिछले फसल सत्र 2024-25 के 11.79 करोड़ टन से 27.12 लाख टन अधिक होगा। मंत्रालय ने दोहराया कि कुछ क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम के बावजूद देश का

2025-26 में 12.06 करोड़ टन गेहूं उत्पादन की उम्मीद

गेहूं उत्पादन स्थिर और मजबूत बन रहेगा। यह आशावाद सरकारी खरी लक्ष्यों में वृद्धि से भी झलकता है जहां इस सीजन में किसानों से 34 लाख टन गेहूं खरीदने का फैसल किया गया है, जो पूर्व निर्धारित लक्ष्य से 15 प्रतिशत अधिक है। अब तक 340 लाख टन की खरीद हो चुकी है हालांकि, निजी अनुमान 2025-2 में उत्पादन लगभग 11.06 करोड़ ट रहने का संकेत देते हैं, जो सरकार आंकड़ों से कम है। कुल मिलाकर 2025-26 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 37.66 करोड़ ट रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के 35.77 करोड़ टन से काफ अधिक है। कृषि मंत्री शिवराज सिं चौहान ने इस बंपर उत्पादन क स्वागत करते हुए इसे सरकार क कृषि नीतियों का सकारात्मक परिणाम बताया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सिद्धारमैया...

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें यह प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन्होंने नहीं माना। वो कर्नाटक में ही रहकर यहीं की राजनीति में सक्रिय रहना चाहते हैं।

भावुक सिद्धारमैया ने की अपनी सरकार के कामकाज की जोरदार पैरवी

इस्तीफे के बाद सिद्धारमैया थोड़े भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा कि उन्हें कर्नाटक के सात करोड़ लोगों की सेवा करने का मौका मिला, जो उनके लिए बड़ी बात थी। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने अपनी जिंदगी के बारे में भी बताया कि वो ङ्गसंयोग से राजनेताङ्ग बने, क्योंकि उनके परिवार में पहले कोई भी राजनीति में नहीं था। उन्होंने कहा कि वो हमेशा बुद्ध, बसवेश्वर और बाबा साहेब आंबेडकर के विचारों से प्रेरणा लेते रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपनी सरकार के कामकाज का भी जोरदार बचाव किया। बीजेपी लगातार यह कह रही थी कि कांग्रेस की गारंटी योजनाओं यानी मुफ्त या सस्ती सुविधाएं देने वाली स्कीमों की वजह से राज्य की माली हालत खराब हो जाएगी। सिद्धारमैया ने इसे गलत बताया।

उन्होंने दावा किया कि आज कर्नाटक देश में प्रति व्यक्ति आय यानी हर इंसान की औसत कमाई के मामले में पहले नंबर पर है। जीएसटी यानी सामान और सेवाओं पर लगने वाले टैक्स की वसूली में राज्य दूसरे नंबर पर है। साथ ही राज्य की विकास दर देश के औसत से भी ज्यादा रही है।

विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया था कि उनकी सरकार ने बहुत ज्यादा कर्ज लिया। इस पर उन्होंने कहा कि जितना कर्ज कानून के तहत लेने की इजाजत है, उतना ही लिया गया है, कोई गलत काम नहीं किया।

उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने 2013 और 2023 के चुनाव में जो वादे किए थे, उनमें से ज्यादातर पूरे किए। पांच गारंटी योजनाओं पर अब तक 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए गए।

उन्होंने केंद्र सरकार और पिछली बीजेपी सरकार पर भी निशाना साधा। उनका कहना था कि राज्य को मिलने वाले कई हजार करोड़ रुपये के अनुदान यानी सरकारी मदद अब तक दी नहीं गई है। सरकार की स्थिरता को लेकर सिद्धारमैया ने कहा कि लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस के पास विधानसभा में साफ बहुमत है, इसलिए सरकार बनी रहेगी। बस मुख्यमंत्री का चेहरा बदलेगा।

शिवकुमार...

डीके शिवकुमार और उनकी पत्नी व बच्चों के पास मौजूद ज्वेलरी की कुल कीमत 3.28 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई गई थी।

अब बात करें, डीके शिवकुमार की अचल संपत्ति के बारे में, तो चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उनके व पत्नी के नाम पर 30 करोड़ रुपये की एग्रीकल्चर लैंड दर्ज है। इसके अलावा 84 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत के कई घर और फ्लैट हैं, जो दिल्ली से बेंगलुरु तक में हैं। कमर्शियल प्रॉपर्टीज की बात करें, तो डीके शिवकुमार के नाम पर ग्लोबल मॉल है, जिसकी कीमत करीब 900 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उनके व परिवार के नाम पर करोड़ों रुपये दुकानें समेत अन्य संपत्तियां भी हैं।

टीएमसी...

लड़ाई लड़ रही है? जिस तरह टीएमसी के विधायक सीएम शुभेंदु अधिकारी से लेकर मंत्री निशीथ प्रमाणिक की बैठकों में पहुंच रहे हैं, क्या वो बंगाल में टीएमसी के भविष्य के संकेत हैं? बंगाल में बीजेपी का शुभेंदु राज क्या आया, टीएमसी के अंदर से लेकर बाहर तक कोहराम मच गया। नया विवाद टीएमसी के दो सांसदों के टकराव को लेकर है। टीएमसी सांसद काकोली घोष ने लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिखकर अपनी ही पार्टी के चीफ व्हीप कल्याण बनर्जी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। आरोप है कि कल्याण बनर्जी ने संसद में उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

कल्याण बनर्जी का कहना है कि आरोप झूठे हैं और इसके पीछे दूसरी कहानी है। उनका दावा है कि नारदा स्टिंग मामले में काकोली घोष के खिलाफ सीबीआई केस लंबित है और उसी से बचने के लिए ये आरोप लगाए जा रहे हैं। दरअसल चुनाव नतीजों के बाद टीएमसी के भीतर भूचाल मचा हुआ है।

गिरफ्तारियां, छापे और कार्रवाई

टीएमसी विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी से गिरफ्तार किया गया। बशीरहाट में टीएमसी के म्यूनिसिपैलिटी चेयरमैन के खेतों से सोना और नकदी मिलने के बाद गिरफ्तारी हुई। कूचबिहार में शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमले के मामले में टीएमसी नेता तन्मय दास और सुब्रत आचार्य गिरफ्तार किए गए।

उत्तर 24 परगना में अजित साहा और सुजीत साहा के घरों से करेंसी, राइफल, गोलियां और शराब बरामद होने का दावा किया गया। हुगली के टीएमसी जोनल चेयरमैन सुखदेव महतो गिरफ्तार हुए। बिधाननगर नगर निगम के चार टीएमसी पार्षदों की गिरफ्तारी हुई। दक्षिण दमदम नगरपालिका से पूर्व मंत्री सुजीत बोस गिरफ्तार हुए।

बर्धमान नगरपालिका से टीएमसी पार्षद शहाबुद्दीन खान, माथाभांगा नगरपालिका से चंद्रशेखर राय और हावड़ा से टीएमसी नेता आकाश सिंह की गिरफ्तारी हुई। इतना ही नहीं, आसनसोल में सेल की जमीन पर बने टीएमसी और लेफ्ट के दफ्तरों पर भी कार्रवाई हुई। नादिया, मुर्शिदाबाद और कूचबिहार जैसे जिलों में प्रधानों, पार्षदों और टीएमसी नेताओं के खिलाफ 181 से ज्यादा नई एफआईआर दर्ज की गईं।

भ्रष्टाचार और अंदरूनी भगदड़

टीएमसी के 15 साल के शासन में पनपे भ्रष्टाचार, अपराध और सियासत के गठजोड़ की परतें खुलने लगी हैं। कहीं से करोड़ों की नकदी बरामद हो रही है, तो कहीं सोना, हथियार, आधार कार्ड और सरकारी दस्तावेज मिलने के दावे किए जा रहे हैं।

कार्रवाई तेज होते ही टीएमसी नेताओं में भागमभाग मच गई। काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी के सभी पद छोड़ दिए। टीएमसी प्रवक्ता शांतनु सेन ने इस्तीफा दे दिया। 15 स्थानीय निकायों से 127 पार्षदों ने पद छोड़ दिए।

टीएमसी के छह विधायक शुभेंदु अधिकारी की बैठकों में दिखाई दिए। विधायक रितब्रत बनर्जी और संदीपन साहा विधानसभा स्पीकर से मिलने पहुंचे। उत्तर बंगाल के 13 विधायक मंत्री निशीथ प्रमाणिक की बैठक में पहुंचे। टीएमसी के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय भी सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। शांतनु सेन का कहना है कि अगर जनता ने नौकरी घोटाले, आरजी कर मामले और अभया केस जैसे मुद्दों पर वोट दिया है, तो उनका अंतर्मन अब ऐसे भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं कर सकता।

बीजेपी का दावा है कि अगर दिल्ली से हरी झंडी मिल जाए तो टीएमसी का नामोनिशान मिट सकता है। बीजेपी सांसद सौमित्र खान का दावा है कि 20 टीएमसी सांसद बीजेपी में आने के लिए तैयार हैं, बस पार्टी नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार है। दावा ये भी किया जा रहा है कि 50 नाराज विधायकों समेत मालदा, मुर्शिदाबाद और दक्षिण बंगाल के कई नेता बीजेपी के संपर्क में हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के आंकड़ों के मुताबिक 2024 के चुनाव नतीजों के बाद से 150 से ज्यादा सांसद और विधायक अपनी पार्टियां छोड़कर बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। हालांकि हर चुनाव से पहले और बाद में दलबदल देखने को मिलता है, लेकिन इस बार लगभग हर दल के नेताओं का रुख बीजेपी की तरफ दिखाई दे रहा है। इसी की ताजा मिसाल आम आदमी पार्टी के 10 में से 7 राज्यसभा सांसदों का बीजेपी में शामिल होना भी बताया जा रहा है।

अलविदा...

एक बार उनके कॉलेज के एग्जाम में उनसे एक शेफ्र का मतलब पूछा गया। इत्तेफाक से वो शेफ्र बशीर साहब का ही था। गदगद होकर जब उन्होंने उसकी तशरीह की यानी मतलब बताया तो एक्सटर्नल एग्जामिनर ने उसे गलत बताया। इस पर बशीर साहब ने मुस्कुराये हुए बताया कि हुजूर! यह इसी नाचीज का कहा हुआ है, लेकिन एग्जामिनर ये मानने को कतई तैयार नहीं हुए कि ये नौजवान इतना गहरा शेर कह सकता है! बशीर साहब को बचपन से ही लिखने का शौक था। सात साल की उम्र क्या होती है! बच्चे जब ठीक से अपनी निक्कर संभालने लायक होते हैं उस मासूम उम्र में उन्होंने अपनी पहली कविता/शेर लिखा था। जब वे सातवीं कक्षा में आए तब उनकी एक ग़ज़ल उस समय की मशहूर साहित्यिक पत्रिका मनिगारफ में छपी थी। बशीर साहब ने अपनी उच्च शिक्षा के दौरान कुछ समय तक पुलिस विभाग में भी नौकरी की थी।

हालांकि, साहित्य के प्रति अपने लगाव और आगे की पढ़ाई (बी.ए., एम.ए. और पीएच.डी.) के लिए उन्होंने 1967 में पुलिस की नौकरी का त्याग कर दिया। बाद में वे अलीगढ़ विश्वविद्यालय और मेरठ कॉलेज में उर्दू के प्रोफेसर रहे। बशीर साहब ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से उर्दू में पीएचडी की उपाधि ली। लेकिन उसमें भी दिलचस्प वाकया यह है कि उन्होंने उर्दू साहित्य में गजल की समालोचना के क्षेत्र में अपने शोध का विषय आजादी के बाद उर्दू गजल का तनकीदी मुताला यानी स्वतंत्रता के बाद उर्दू ग़ज़ल का अलोचनात्मक अध्ययन था।

इस शोध प्रबंध यानी थीसिस में उन्होंने अपने ही लिखे 87 अशआर शामिल किए। बशीर साहब ने अपनी थीसिस 1973 में जमा कर दी थी। वो पीएचडी का इम्तिहान पास भी कर गए। इसके बाद वे मुशायरों और अध्यापन में इतने मुब्तिला हो गए कि विश्वविद्यालय के कई साल दर साल कई दीक्षांत समारोह निकल गए और वो अपनी डिग्री का प्रमाणपत्र लेने नहीं जा सके। यानी अपनी मूल डिग्री लेना ही भूल गए। लगभग 46-47 साल बाद साल 2021 में उनकी पत्नी डॉ. राहत बद्र के प्रयासों और एएमयू प्रशासन की मदद से यह डिग्री डाक द्वारा उनके भोपाल स्थित घर पर भेजी गई। पीएचडी की डिग्री हाथ में पाकर वे बच्चों की तरह चहक उठे थे।

मेरठ दंगों में जला दिया गया था घर

मोहब्बत के इस शायर के हिस्से में बेशुमार शोहरत के साथ फिरकापरस्त लोगों की नफरत भी आई। मेरठ में 1987 में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान, उपद्रवियों ने उनका घर भी जला दिया था। इस घटना से उनका दिल इतना टूट गया था कि उन्होंने लिखा, मलोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में। आधुनिक उर्दू साहित्य में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 1999 में मपद्मश्रीफ और साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी नवाज़ा। उनकी गजलों की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2015 की बहुचर्चित फिल्म ममसानफ में उनके कई शेर इस्तेमाल किए गए थे, जो सदियों तक सुनाई देते रहेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 29 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

सरदार पटेल एकता महासम्मेलन 31 को

भारत भारती द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भव्य आयोजन

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत भारती द्वारा आगामी रविवार, 31 मई 2026 को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य सरदार पटेल एकता महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर नामपल्ली स्थित नुमाइश मैदान में विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

भारत भारती के अध्यक्ष विनय पत्राले द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत, सशक्त भारत के संकल्प के साथ आयोजित इस महासम्मेलन की तैयारियों के संबंध में एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जसमत पटेल, आले भास्कर, संजय घनाटे, डॉ. मीनाक्षी, सी.एच. चव्हाण, अविनाश देवड़ा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जसमत पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम 31 मई, रविवार को शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक हैदराबाद के एक्ज़िबिशन मैदान में आयोजित होगा। कार्यक्रम में देशभर से अनेक गणमान्य अतिथि शामिल होकर राष्ट्रीय एकात्मता एवं राष्ट्र निर्माण के विषय पर जनसमुदाय को संबोधित करेंगे।

उन्होंने बताया कि रात्रि 9 बजे से विशाल लोक डायरो का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें गुजरात के प्रसिद्ध कलाकार एवं लोक गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम में लोक गायिका हेतल वैद्य, लोक गायक जयदीप भाटी, लोक साहित्यकार आनंदभा गढ़वी, साजिंदा ग्रुप के सुरेश पटेल, महेंद्र, मयूर जानी एवं मेहुल पटेल सहित कई कलाकार भाग लेंगे।

अवसर पर आले भास्कर एवं संजय घनाटे ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के महान राष्ट्र निर्माताओं में से एक थे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के भारत में विलय में ऑपरेशन पोलो की ऐतिहासिक भूमिका रही और सरदार पटेल के योगदान के बिना यह संभव नहीं होता।

उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्रीय एकता के योगदान से प्रेरणा मिलती रहेगी। इस आयोजन का उद्देश्य सरदार पटेल को वह सम्मान, व्यापकता और राष्ट्रीय भावना प्रदान करना है, जिसके वे वास्तविक रूप से अधिकारी हैं।

कार्यक्रम की सफलता की कामना को लेकर भारत भारती तेलंगाना शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यक्रम संयोजकों ने चारमीनार स्थित माँ भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना कर निमंत्रण पत्र भेंट किया।

इस अवसर पर जसमत पटेल, आले भास्कर, संजय घनाटे, अरुणा ज्योति, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. समता, राधिका देशपांडे, जसवंत सुराणी, तरुण मेहता, जिज्ञेश दोशी, सी.एच. चौहान, डॉ. राकेश शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

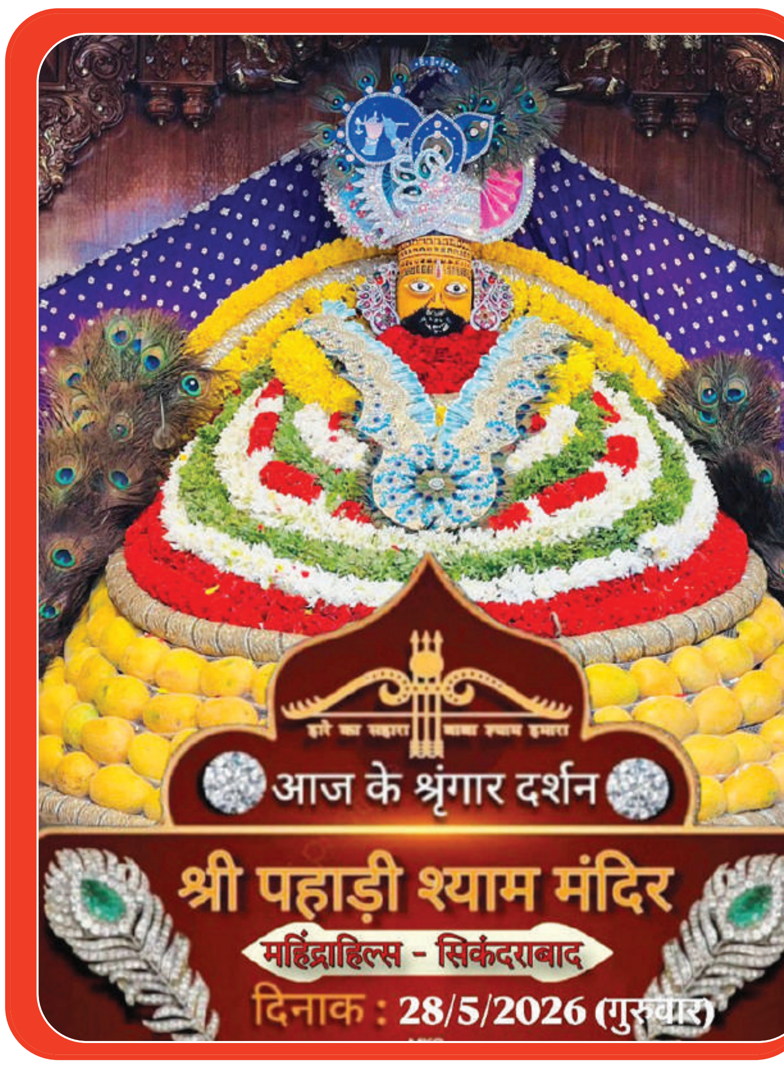

पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में श्री राज मित्र मण्डल के तत्वावधान में एकादशी के उपलक्ष्य में आयोजित ङ्गश्री श्याम संकीर्तनफभजन कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए पंकज ओझा । अवसर पर दर्शन हेतु पधारे राजीवलोचन शास्त्री महाराज, चित्रकूट, भजन गायक एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, ब्रिजेश मोदी, पंकज सिंगला, सुरेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, रमेश मामा, रुपेश अग्रवाल एवं उपस्थित भक्तगण ।

विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा के नगरागमन पर बैठक आयोजित

संगठन को मजबूत बनाने एवं नई योजनाओं पर हुआ मंथन

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विप्र फाउंडेशन जोन-16 तेलंगाना द्वारा फाउंडेशन के संस्थापक सुशील जी ओझा के नगर आगमन पर होटल ताजमहल, आबिड्स में ब्रेकफास्ट बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, सदस्यता अभियान, नई नीतियों एवं भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक का संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास ने किया। उन्होंने संस्थापक सुशील जी ओझा, रीजनल महामंत्री भगवान व्यास, जोन प्रेसिडेंट हरिकिशन ओझा एवं केशव शर्मा को मंच पर आमंत्रित किया।

जोन प्रेसिडेंट हरिकिशन ओझा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि अपनी निजी यात्रा के दौरान संगठन को समय देने के लिए वे जोन-16 की ओर से सुशील जी ओझा का आभार व्यक्त करते हैं। अपने संबोधन में संस्थापक सुशील जी ओझा ने कहा कि संगठन के सदस्यों को आपसी प्रेम एवं समर्पण के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कार्य दिल से किया जाता है तो प्रकृति भी सहयोग करती है। संगठन के शुरुआती दिनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय कई प्रकार की बातें कही जाती थीं, लेकिन सच्ची निष्ठा एवं निरंतर कार्य के कारण आज संगठन की बात प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी सुनी जाती है। सुशील जी ओझा ने संगठन से जुड़ी नई नीतियों एवं सदस्यता से संबंधित जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की। उन्होंने संगठन के विभिन्न प्रकल्पों एवं परियोजनाओं की जानकारी देते हुए जयपुर स्थित परशुराम ज्ञान पीठ तथा अन्य स्थानों पर स्थापित होने वाली शैक्षणिक संस्थाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में भी शिक्षा एवं संगठनात्मक विस्तार की दिशा में प्रभावी कार्य किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने सभी सदस्यों से प्रेमपूर्वक रहते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक में रीजनल महामंत्री भगवान व्यास ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सोहनलाल दायमा, रामदेव नागला, केशव शर्मा, अशोक ओझा, आनंद शर्मा, अनिल गौड़, सुरेश शर्मा, रामबाबू कौशिक, भूपत सिंह राजपुरोहित, टीकम पालीवाल, आर.पी. शर्मा, मोहनलाल शर्मा, उमेश शर्मा, श्रीलाल पारीक, रामनिवास पाराशर, सरवन दायमा, राजेंद्र गौड़, नारायण दास शर्मा, हरिदास गौड़, महेश अवस्थी, दीपक सारस्वत, श्याम सारस्वत, भारत चड्ढा, अर्जुन तन्वी, सुरेश पारीक, मुकेश शर्मा, दीपक पारीक, गोविंद मादी, मदनलाल व्यास, श्रीनिवास पंडित, सुरेश गांधी, गोपाल डोबा, हरिप्रसाद रिणवा, प्रदीप खंडेलवाल, सत्यप्रकाश शर्मा, राजगोपाल व्यास, संदीप जायलवाल, रमेश पारीक, गजानंद ओझा, गोपाल शर्मा, बृजभूषण पुरोहित, नकुल व्यास, प्रेमलता ओझा, किरण देवी व्यास, कांता देवी, प्रेमलता व्यास सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा से अभिभूत हुए पाबुराम पीपावत कुमावत, नए सदस्य के रूप में हुआ स्वागत व सम्मान

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास गुरुवार को नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा, समर्पण और मानवता से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक अन्न वितरण किया गया तथा सभी ने सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म बताया।

इस अवसर पर पहली बार कार्यक्रम में पहुंचे पाबुराम पीपावत कुमावत ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन में अनेक सामाजिक गतिविधियां देखी हैं, लेकिन जिस प्रकार की निस्वार्थ और भावपूर्ण सेवा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा की जा रही है, वैसी सेवा बहुत कम देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यहां आकर ऐसा महसूस हुआ मानो सभी लोग एक परिवार की तरह जुड़े हुए हैं और हर व्यक्ति के मन में केवल सेवा और मानवता का भाव है।

उन्होंने भावुक होकर कहा कि कई बार उनके मन में इस कार्यक्रम से जुड़ने का विचार आया, लेकिन शायद परमात्मा की इच्छा आज ही थी कि वे इस पुण्य कार्य का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ उनका स्वागत किया गया, उसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद परिवार की ओर से पाबुराम पीपावत कुमावत का नए सदस्य के रूप में स्वागत एवं सम्मान भी किया गया। सभी सदस्यों ने उन्हें दुपट्टा एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। पाबुराम पीपावत कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक ऐसा परिवार है, जो समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चल रहा है और लोगों के दिलों में सेवा की नई प्रेरणा जगा रहा है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय सेवा कार्यों के लिए अवश्य निकालना चाहिए, क्योंकि जरूरतमंद की सहायता से बड़ा कोई पुण्य नहीं होता।

इस अवसर पर पाबुराम पीपावत कुमावत, सुनीता अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गजराज श्री माल, सुरेश सिंघल, सोहन लाल दायमा, नंद किशोर अग्रवाल एवं गोपाल गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लकडी का पुल स्थित पुलिस महानिदेशक कार्यालय मे तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद और डी.जी.पी. लॉ एंड ऑर्डर डीजीपी महेश भागवत से शिष्टाचार भेंट करते हुए लव फॉर काउ ट्रस्ट के ट्रस्टी रिद्धीश रमेश जागीरदार । साथ में हैं प्राणी मित्र संघ के अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल, करुणा इंटरनेशनल तेलंगाना के अध्यक्ष श्रीपाल देशलेहरा एवं अन्य।

राज्यपाल को श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का दिया गया निमंत्रण

माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार में 5 जून से होगा आयोजन

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला को माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के लिए निमंत्रण पत्र भेंट किया गया।

यह धार्मिक आयोजन 5 जून से 11 जून तक माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जगन्नाथद्वारा की ओर से राज्यपाल को निमंत्रण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में खाकी अखाड़ा मठ पीठाधीश्वर महंत बालयोगी श्री अमृत दास खाकी, महंत अरुण दास उदासीन अखाड़ा सहित अन्य संत-महंत उपस्थित रहे। निमंत्रण कार्यक्रम में मुख्य यजमान संजय कुमार तोतला, विजय कुमार तोतला, लखन तोतला एवं विनोद शर्मा सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

वीर सावरकर की जयंती पर बंडारू ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जयंती के अवसर पर पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज सुबह काचीगुड़ा, हैदराबाद स्थित वीर सावरकर जी की प्रतिमा पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर बात करते हुए श्रीर दत्तात्रेय ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमर स्थान पाने वाले महान क्रांतिकारी वीर, महान राष्ट्रवादी और हिंदुत्व के सिद्धांतकार श्री विनायक दामोदर सावरकर जी की जयंती पर वे उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

एक प्रख्यात शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी के रूप में प्रसिद्ध सावरकर जी ने छोटी उम्र में ही देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया था। उन्होंने अंग्रेजों के दमन चक्र के खिलाफ युवाओं को जागरूक किया और क्रांतिकारी संगठनों के माध्यम से देश भर में राष्ट्रीय भावना की अलख जगाई। उनके साहस और देश के लिए किए गए बलिदानों ने ब्रिटिश सरकार को हिलाकर रख दिया था। यही कारण है कि उन पर कई मामले दर्ज किए गए और अंततः उन्हें अंडमान की सेलुलर जेल भेजकर कठोर सजा दी गई। पूर्व राज्यपाल ने सावरकर जी के इन स्वतंत्रता संघर्ष के संस्मरणों की सराहना की।

कुल 21 वर्ष की सजा सुनाए जाने के बावजूद, लगभग 11 वर्ष जेल में बिताने वाले सावरकर जी ने कभी अपना मनोबल नहीं खोया। उन्होंने जेल को भी देशभक्ति के केंद्र में बदल दिया और कई क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रीय चेतना को और अधिक मजबूत किया।

वीर सावरकर जी एक महान हिंदुत्ववादी और राष्ट्रवादी थे। उन्होंने हमेशा भारतीय संस्कृति, हिंदू समाज की एकता और देशभक्ति के मूल्यों की रक्षा करने की आवश्यकता का प्रचार किया। हिंदुत्व ही भारत की आत्मा है की विचारधारा के साथ उन्होंने देश की अखंडता के लिए काम किया। श्री दत्तात्रेय ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि सावरकर जी ने हिंदू महासभा के माध्यम से कई राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। सरकारी प्रतिबंधों और नजरबंदी का सामना करने के बाद भी वे पीछे नहीं हटे। उन्होंने साहित्य को अपना हथियार बनाकर लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रीयता की भावना भरी, और उनके लेखन ने कई पीढ़ियों को स्वतंत्रता की प्रेरणा दी।

श्री दत्तात्रेय जी ने आह्वान किया कि आज के युवाओं को वीर सावरकर जी के जीवन को आदर्श मानना चाहिए। युवाओं को देशभक्ति, राष्ट्रीय मूल्यों, भारतीय संस्कृति और समाज सेवा के प्रति समर्पण भाव विकसित करना चाहिए; यही वीर सावरकर जी को हमारी ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

14 जून को आयोजित होगी वार्षिक साधारण सभा एजीएम

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल की कार्यकारिणी समिति की बैठक आज बैंक्वेट हॉल के कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, उपाध्यक्ष सूर्यकमल गुप्ता, सचिव आशीष दोचानिया एवं संयोजक राजेंद्र जालान सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैंक्वेट हॉल की निरंतर बढ़ती बुकिंग एवं उसके सुचारु संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से बैंक्वेट हॉल की गतिविधियां निरंतर सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं।

बैठक में बैंक्वेट हॉल की बुकिंग व्यवस्था, दैनिक खर्चों तथा हाल ही में संपन्न कराए गए विभिन्न कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। सदस्यों ने व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

कार्यकारिणी समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल की वार्षिक आम सभा (एजीएम) आगामी 14 जून 2026, रविवार को प्रातः 11:00 बजे आयोजित की जाएगी।

एजीएम के पश्चात दोपहर भोज का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें समाज के सदस्य सम्मिलित होंगे।

कुकटपल्ली में भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम संपन्न

अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया कनवीनर चौहान मुकेश जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कुकटपल्ली के लक्ष्मीनगर कॉलोनी में भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा राज्य अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष श्री शेख शाहजहान द्वारा किया गया।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव एवं अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के कई लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल होने वाले सभी सदस्यों का भाजपा का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान अनेक वरिष्ठ नेताओं एवं समर्पित कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने बताया कि उन्हें विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा पार्टी सदस्यों एवं समर्थकों से संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि यह सदस्यता अभियान कार्यक्रम संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं जनसंपर्क के प्रति भाजपा की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं एवं सफल आयोजन के लिए शेख शाहजहान एवं उनकी पूरी टीम की सराहना की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित सबका साथ, सबका विकास की योजनाओं को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। साथ ही पार्टी विस्तार एवं समाज सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहने का आह्वान किया गया।

वीर सावरकर का संघर्ष आज के युवाओं के लिए प्रेरणादायक : विहिप

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वातंत्र्य वीर सावरकर जयंती के अवसर पर महान क्रांतिकारी वीर सावरकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गुरुवार दोपहर काचीगुड़ा स्थित वीर सावरकर चौक में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन विश्व हिंदू परिषद (तक्झ) धर्माचार्य संपर्क विभाग के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने वीर सावरकर के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वीएचपी धर्माचार्य संपर्क प्रमुख बालस्वामी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए वीर सावरकर द्वारा किए गए त्याग, उनकी राष्ट्रभक्ति एवं साहस आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी शासन के विरुद्ध सावरकर द्वारा चलाया गया आंदोलन भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक महान लेखक, संगठक एवं हिंदू समाज की एकता के लिए कार्य करने वाले महापुरुष थे। देशभक्ति, संस्कृति संरक्षण एवं समाज सेवा के प्रति उनकी निष्ठा प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनुकरणीय है।

कार्यक्रम में धर्माचार्य संपर्क सह-प्रमुख हरिकिशन शर्मा, राघवेंद्र, लक्ष्मण, स्वदेशी जागरण मंच क्षेत्र प्रचार प्रमुख केशव सोनी, भारतीय जनता पार्टी राज्य कार्यकारिणी सदस्य संगमेश्वर, संगारेड्डी जिला भाजपा महासचिव जगन, विपिन सहित अन्य गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वंश अग्रवाल बोले 0सेवा और अन्नदान से ही समाज में जीवित रहती है मानवता

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को श्रद्धा, प्रेम और सम्मान के साथ भोजन वितरण किया गया। सेवा कार्य के दौरान पूरा वातावरण राधे-राधे के जयकारों और मानवता की भावना से भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के तरुण सदस्य वंश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार से निरंतर सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना सबसे बड़ा पुण्य है। अन्नदान केवल किसी भूखे को भोजन करवाना नहीं, बल्कि उसके जीवन में आशा और अपनत्व का भाव जगाना भी है।

वंश अग्रवाल ने कहा कि सेवा कार्यों से समाज में भाईचारे, संस्कार और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। जब युवा पीढ़ी सेवा और धर्म के मार्ग से जुड़ती है तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन अपने आप दिखाई देने लगता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में मानवता और सहयोग की भावना को जागृत करना भी है। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय सेवा कार्यों के लिए अवश्य निकालना चाहिए। जरूरतमंदों की मदद करना ही सच्ची भक्ति और ईश्वर की वास्तविक आराधना है। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने पूरे समर्पण और श्रद्धा भाव से अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान सेवा कार्य में वंश अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, विनोद तोष्णीवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा एवं मोहित अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

वीर सावरकर कीजयंती पर बजरंग सेना ने अर्पित की पुष्पांजलि

हैदराबाद, 28 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना में बजरंग सेना के नेताओं और सदस्यों ने स्वतंत्रता सेनानी श्री विनायक दामोदर सावरकर की 143वीं जयंती पर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम का नेतृत्व तेलंगाना राज्य अध्यक्ष श्री एन. आर. लक्ष्मण राव ने भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री वाई. कृष्णा और अन्य कार्यकर्ताओं के साथ किया।

नेताओं ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर के बलिदानों और योगदानों को याद किया और युवाओं से उनके राष्ट्रवाद, साहस व समर्पण से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान सावरकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, देशभक्ति के नारे लगाए गए और उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय एकता व सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर कई पार्टी कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और समर्थक बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

SHED on RENT
FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.
Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

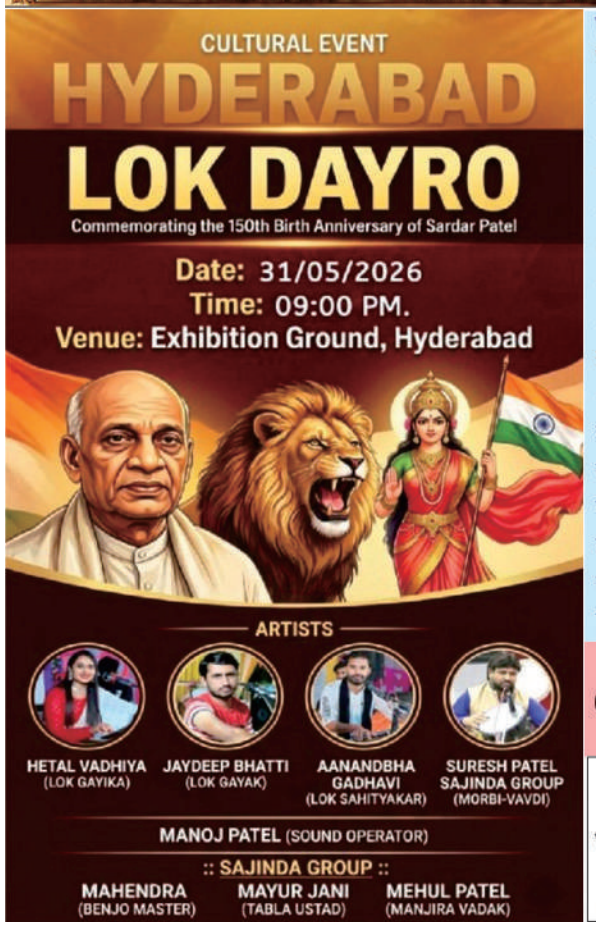

With best wishes from
तेलंगाना गुजराती समाज, अग्रवाल समाज तेलंगाना, हरियाणा नागरीक संघ
श्री गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद, श्री गुजराती प्रगती समाज, हैदराबाद
श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद
श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद
श्री पाटीदार समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद
श्री गुजराती पाटीदार समाज, हैदराबाद
श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद, श्री कच्छी मित्र मंडल हैदराबाद
श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद सिकंदराबाद
वल्लभ युथ ओर्गनाईजेशन, प.पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला
श्री हैदराबाद सिंकदराबाद लोहाणा महाजान, श्री सिकंदराबाद लोहाणा समाज
मैढ क्षत्रीय स्वर्णकार समाज, हैद. - सिकं, श्री माली समाज हैदराबाद,
तेलंगाना आंध्र प्रदेशीक महेश्वरी समाज, हैदराबाद सिंकद्राबाद माहेश्वरी सभा
गोवत्स फाउंडेशन, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन, तेलंगाना गोसेवा समिति
तेलंगाना जाट समाज, अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन
गुजराती मुवी क्लब हैदराबाद, साइबराबाद गुजराती असोसियेशन
सिरवी समाज हैदराबाद व तेलंगाना, राजस्थानी प्रगती समाज
atlas.jagirdar
Love for Cow Foundation
Jasmat Patel, Ridesh Jagirdar, Ranjana Shah, Virender Agarwal, Tarun Mehta, Mukesh Chouhan, Jaswant Surani, Dhanjibhai Patel, Shashikala Kothari, Daddu Patel
JANMA SHATABDI MAHOTSAV

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.